लखनऊ

रविवार, 12 जुलाई, 2026

वर्ष : 11 । अंक : 314

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

इतना काम करिये की काम भी आप का काम देखकर थक जाय।

TODAY WEATHER

DAY 32° Hi

NIGHT 28° Low

संक्षेप

हाई कोर्ट में जब आईएएस अफसर को मांगनी पड़ी माफी, फिर भी जज ने बैरंग लौटाया

कोच्चि। केरल हाई कोर्ट में एक बेहद दिलचस्प मामला सामने आया है, जहां एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी को अदालत में पेश होकर बिना शर्त माफी मांगनी पड़ी। केरल के काजू विकास विभाग के प्रभारी सचिव आईएएस के बीजू ने कोर्ट की अवमानना मामले में अपनी गलती तो मान ली, लेकिन जज साहब उनकी इस माफी से जरा भी संतुष्ट नजर नहीं आए। हाई कोर्ट ने उनके माफीनामे को खारिज करते हुए उन्हें इसे दोबारा और सुधार के साथ लिखकर पेश करने का सख्त निर्देश दिया है। अब इस हाई-प्रोफाइल मामले की अगली सुनवाई 15 जुलाई को तय की गई है। जस्टिस ए बदरुद्दीन कडाकम्पल्ली मनोज की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रहे थे, जिसमें आईएएस अधिकारी के बीजू को खुद अदालत में पेश होना पड़ा। अपने बचाव में उन्होंने कहा कि उन्हें अपने बयान पर गहरा अफसोस है और उनकी भाषा से ऐसा लग सकता है कि माननीय कोर्ट के अधिकारों को प्रभावित करने वाला कोई बयान दिया गया हो। बीजू ने अपने उस विवादित आदेश की हर बात को वापस लेने की बात कही और बिना किसी शर्त के माफी मांगी। उन्होंने अदालत में सफाई देते हुए कहा कि उनकी मंशा कभी भी न्यायिक समझ पर सवाल उठाने की नहीं थी, लेकिन भाषा के चयन में उनसे चूक हो गई है। आईएएस अधिकारी की दलीलों और माफी के बावजूद हाई कोर्ट का रुख काफी सख्त रहा। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकारी अधिकारियों को पूरी जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए और अपनी किसी भी व्यक्तिगत गलती को छिपाने के लिए सरकार को ढाल नहीं बनाना चाहिए।

बारुईपुर लिचिंग मामले में तीन गिरफ्तार, दुष्कर्म के आरोप में शख्स की पीट-पीटकर कर दी गई थी हत्या

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बारुईपुर में नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के बाद भीड़ द्वारा एक शख्स की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। अब उस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। अब तक इस मामले में कुल पांच लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जिस युवक को पीट-पीटकर मार डाला गया, वो निर्दोष था और सीएम शुभेंदु अधिकारी ने भी इसकी पुष्टि की है। सीएम ने युवक के परिवार को आर्थिक मदद देने का भी एलान किया है। नाबालिग पीड़िता 4 जुलाई को दक्षिण 24 परगना के बारुईपुर में अपने घर से एक दोस्त के लिए जन्मदिन का तोहफा खरीदने निकली थी और तभी लापता हो गई थी। उसके परिवार ने पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी और एक दिन बाद उसकी लाश मिली। लाश मिलने के तुरंत बाद, भीड़ ने इंद्रजीत मंडल नाम के एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी, क्योंकि उन्हें शक था कि वह लड़की के दुष्कर्म और हत्या में शामिल था। बाद में, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि मंडल बेगुनाह था और लिंचिंग में शामिल लोगों पर हत्या का आरोप लगाया जाएगा। अधिकारी शनिवार को बारुईपुर में दुष्कर्म पीड़िता के परिवार से मिलने वाले हैं।

'दुनिया को नया मॉडल दे रहा है भारत...'ऑकलैंड में बोले पीएम मोदी, बताई 30 साल पुराने मफलर की कहानी

ऑकलैंड। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को वैश्विक मंच से भारत की आर्थिक और तकनीकी प्रगति का दमदार खाका पेश किया। न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में प्रवासी भारतीय समुदाय के एक भव्य कार्यक्रम 'किया ओरा मोदी' को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि तमाम वैश्विक चुनौतियों और मंदी के दौर के बावजूद भारत के विकास की गति अभूतपूर्व है और आज देश दुनिया को विकास का एक बिल्कुल नया मॉडल दे रहा है। इस विशेष कार्यक्रम के दौरान मंच पर न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन भी मौजूद थे, जिन्होंने पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया।

डिजिटल क्रांति और अंतरिक्ष में भारत की ऊंची उड़ान

प्रधानमंत्री ने भारत के नए विकास मॉडल के उदाहरण देते हुए तकनीकी क्षेत्र में देश की उपलब्धियों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आज भारत में एकीकृत भुगतान इंटरफेस (UPI) के माध्यम से हर महीने अरबों डिजिटल लेनदेन हो रहे हैं, जिसने दुनिया को हैरान किया है। इसके साथ ही भारत अब ड्रोन प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भी लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

'दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है भारत'

प्रवासी भारतीयों के भारी उत्साह, तालियों की गड़गड़ाहट और 'मोदी-मोदी' के नारों के बीच प्रधानमंत्री ने कहा, 'वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत जिस गति से विकास कर रहा है, वह अभूतपूर्व है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हो चुका है।'

भारत-न्यूजीलैंड के बीच व्यापार समझौता लिखेगा नया इतिहास

दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों पर बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड के संबंध सुखद स्मृतियों, स्थायी मित्रता, साझा मूल्यों और परस्पर प्रतिबद्धता पर टिके हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों देशों के बीच होने वाला आगामी व्यापार समझौता विकसित राष्ट्र बनने की भारत की यात्रा को और गति देगा, जिससे दोनों देशों के कारोबारियों के लिए व्यापार के नए और असीमित अवसर पैदा होंगे।

व्यापार जगत के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, 'भारत और न्यूजीलैंड के बीच मजबूत आर्थिक साझेदारी से उद्योगों, नवाचारकर्ताओं और हमारे युवाओं के लिए नए अवसर पैदा होंगे।' उन्होंने आगे कहा कि दोनों देशों ने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाने का ऐतिहासिक निर्णय किया है, जिसके तहत स्पष्ट लक्ष्यों और ठोस परिणामों के साथ हर क्षेत्र में आगे बढ़ा जाएगा। उन्होंने भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते को एक ₹ऐतिहासिक₹ पहल बताया और कहा कि भारत की लगातार तेज आर्थिक वृद्धि, युवा व कुशल कार्यबल, तेजी से बढ़ता मध्यम वर्ग, डिजिटल क्रांति, नई पीढ़ी के बुनियादी ढांचे का विस्तार और लगातार जारी आर्थिक सुधार न्यूजीलैंड की कंपनियों के लिए व्यापार और निवेश के क्षेत्र में व्यापक अवसर उपलब्ध कराते हैं।

40 साल बाद भारतीय पीएम दौरा, 30 साल पुराना मफलर

प्रधानमंत्री मोदी तीन देशों की अपनी महत्वपूर्ण यात्रा के अंतिम चरण में शुक्रवार को ऑकलैंड पहुंचे थे। पिछले 40 वर्षों में न्यूजीलैंड की यात्रा करने वाले वे पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने मंच से एक पुराना मफलर दिखाकर अपनी पुरानी यादें ताजा कीं। उन्होंने बताया कि सार्वजनिक जीवन में आने से पहले, करीब 25-30 वर्ष पूर्व जब वे एक साधारण नागरिक के रूप में न्यूजीलैंड आए थे, तब उन्हें यह मफलर उपहार में मिला था, जिसे उन्होंने आज भी सहेज कर रखा है।

भाजपा सरकार में मध्यप्रदेश भ्रष्टाचार का पर्याय बना, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मौन हैं : मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। नयी दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार के दौरान राज्य भ्रष्टाचार का पर्याय बन गया है। खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने सत्ता के अहंकार में आकर सार्वजनिक जीवन में जवाबदेही की भावना को पूरी तरह कुचल दिया है। खरगे ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपनी पोस्ट में दावा किया कि मध्यप्रदेश में एथेनॉल उत्पादन के नाम पर 1,200 करोड़ रुपये का बड़ा चावल घोटाला सामने आया है। उन्होंने बताया कि जिस चावल का उपयोग कुपोषित बच्चों, गर्भवती महिलाओं और किशोरियों के पोषण के लिए किया जाना था, उसे मुनाफे के खेल में डाइवर्ट कर दिया गया।

कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकारी तंत्र और राइस मिलर्स की मिलीभगत पर सवाल उठाते हुए कहा कि करीब पांच लाख मीट्रिक टन चावल, एथेनॉल माफिया और भाजपा सरकार के संरक्षण में इस बड़े भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मिलीभगत से सीधे तौर पर जनता के हक के अनाज की चोरी की जा रही है। इसके साथ ही खरगे ने उज्जैन में हुए कथित जमीन घोटाले का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उज्जैन के उन्हीं क्षेत्रों में जमीनों का विस्तार किया गया जहां सरकारी बुनियादी ढांचा परियोजनाएं और राजमार्ग प्रस्तावित थे। इस मामले में सीधे तौर पर मुख्यमंत्री मोहन यादव पर भी सवाल खड़े हुए हैं।

खरगे ने कहा कि व्यापमं से शुरू हुआ लूट और अनगिनत पेपर लीक का यह सिलसिला भ्रष्टाचार के कई मामले सामने आने के बाद भी आज तक नहीं रुका है। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि भाजपा ने मध्यप्रदेश को भ्रष्टाचार का एक मॉडल बना दिया है, लेकिन इन सब पर प्रधानमंत्री मोदी हमेशा की तरह मौन साधे हुए हैं।

2017 से पहले यूपी में नहीं था विकास का इरादा : सीएम योगी ने सपा सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि निवेश और रोज़गार के अवसर अब नोएडा और गाज़ियाबाद से आगे बढ़कर कुशीनगर और गोरखपुर जैसे ज़िलों तक फैल रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब राज्य के युवाओं को नौकरी की तलाश में कहीं और जाने की ज़रूरत नहीं है। कुशीनगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर पिछली सरकारों ने विकास पर ध्यान दिया होता, तो इस इलाके के युवाओं को रोज़गार के लिए अपना घर छोड़ने पर मजबूर नहीं होना पड़ता।

सीएम योगी ने कहा कि अगर पिछली सरकारों ने दिलचस्पी दिखाई होती, तो कुशीनगर के युवाओं को पलायन नहीं करना पड़ता। आज जब यूपी पुलिस में भर्ती होती है या उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग कोई परीक्षा आयोजित करता है और मैं लखनऊ में नियुक्ति पत्र बांटता हूं, तो कुशीनगर के किसी युवा को नियुक्ति पत्र पाते हुए देखकर मुझे बहुत खुशी होती है। पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए CM योगी ने आरोप लगाया कि 2017 से पहले विकास के लिए न तो कोई इरादा था और न ही कोई नीति, जिसके कारण निवेश की कमी हुई और प्रोजेक्ट्स रुक गए। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले उनकी तरफ से कोई पहल नहीं की गई। इसीलिए न तो कोई निवेश हुआ और न ही विकास के काम हो पाए, सब कुछ ठप पड़ गया था। मुख्यमंत्री ने पिछली समाजवादी पार्टी सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप भी लगाया और कहा कि गरीबों के लिए बनी सुविधाओं का गलत इस्तेमाल किया जा रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि गरीबों के लिए राशन, स्वास्थ्य सुविधाएं और रोज़गार के मौकों पर समाजवादी पार्टी के गुंडों ने कब्ज़ा कर लिया था और गरीबों की ज़िंदगी बर्बाद कर दी थी। उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति का ज़िक्र करते हुए CM योगी ने कहा कि BJP की 'डबल-इंजन' सरकार आपराधिक गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं करती और उसने पूरे राज्य में शांति बनाए रखी है।

जन्म से नहीं, माइग्रेशन से बढ़ी लखनऊ की आबादी, 15 साल में बढ़ी करीब 16 लाख जनसंख्या

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ का चेहरा अब केवल जन्म दर से नहीं, बल्कि माइग्रेशन से भी बदल रहा है। डेढ़ दशक में लखनऊ उन शहरों में शामिल हो गया है, जहां आबादी बढ़ाने में दूसरे जिलों और राज्यों से आकर बसने वाले लोगों की बड़ी भूमिका रही है। 2027 की जनगणना के लिए करीब 61.99 लाख लोगों की हाउस लिस्टिंग हुई है। वहीं, 2011 की जनगणना में जिले की आबादी 45.89 लाख थी। इससे करीब 16 लाख लोगों की बढ़ोतरी के संकेत मिल रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, केवल जन्म दर के आधार पर इतनी तेज वृद्धि संभव नहीं। राजधानी में रोजगार, उच्च शिक्षा, चिकित्सा सुविधाएं, सरकारी कार्यालय, आईटी और सेवा क्षेत्र के विस्तार ने लोगों को आकर्षित किया है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे के अनुसार, उत्तर प्रदेश में प्रजनन दर लगातार घट रही है। ऐसे में लखनऊ जैसे बड़े शहरों की आबादी बढ़ने का प्रमुख कारण माइग्रेशन है।

हरदोई, सीतापुर, बाराबंकी, उन्नाव, रायबरेली, अयोध्या, सुल्तानपुर, गोंडा और पूर्वांचल के कई जिलों से लोग लखनऊ आए हैं। दूसरे राज्यों से भी बड़ी संख्या में लोग नौकरी, कारोबार और पढ़ाई के लिए यहां पहुंचे और स्थायी रूप से बस गए। राजधानी में आईटी, स्वास्थ्य, शिक्षा, निर्माण और सेवा क्षेत्र के विस्तार ने इस रफ्तार को और तेज किया है।

रामलला के खजाने पर डाका डाल शेयर बाजार में लगाते थे पैसा, दान चोरी मामले में बड़ा खुलासा

आर्यावर्त क्रांति

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दरबार में भक्तों द्वारा चढ़ाए गए दान की चोरी मामले में एक बेहद चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। रामलला के खजाने पर डाका डालने वाले शातिर आरोपी इस चोरी के पैसे को सिर्फ ऐशो-आराम में नहीं उड़ा रहे थे, बल्कि इसे सफेद करने के लिए शेयर बाजार (स्ह्लशष्क्च रूड्डह्म्द्मद्गह्ल) में भी मोटा दांव खेल रहे थे। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपियों ने एक पूरी साजिश के तहत दान के काले पैसे को 'नंबर एक' बनाने का खेल रचा था। इस खुलासे के बाद पुलिस ने आरोपियों के कई रिश्तेदारों और करीबियों के खातों पर भी कड़ा शिकंजा कस दिया है। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक, चढ़ावे से चुराए गए कैश को आरोपी सीधे अपने खातों में जमा नहीं करते थे। पैसों का असली सोर्स छिपाने के लिए पहले इस नकदी को रिश्तेदारों और जानकारों के बैंक अकाउंट में जमा कराया जाता था। इसके बाद वही पैसा ट्रांसफर के जरिए आरोपियों के निजी खातों में पहुंचता था, ताकि इसे पूरी तरह से वैध कमाई दिखाया जा सके। इस गोरखधंधे का पर्दाफाश होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों के दोस्तों और रिश्तेदारों के करीब दो दर्जन बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है। इसके अलावा, पुलिस अब इस एंगल से भी जांच कर रही है कि चुराया गया सोना किन स्थानीय सर्राफा कारोबारियों द्वारा गलाया जाता था। इस महाघोटाले में एक और हैरान करने वाली बात यह सामने आई है कि शातिर आरोपी दान के पैसों की आधिकारिक गिनती शुरू होने से पहले ही बड़ी चालाकी से नोटों की गड्डियां छिपा लेते थे। पुलिस ने गहन पूछताछ के बाद मुख्य आरोपियों अनुकल्प, लवकुश और करुणेश की निशानदेही पर भारी मात्रा में कैश, सोने की चेन, मोबाइल और एक लग्जरी कार बरामद कर जब्त कर ली है। पकड़े गए तीनों मुख्य आरोपियों को पुलिस की पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा जा चुका है। गौरतलब है कि अयोध्या के भव्य राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा दानपात्रों में डाले गए चढ़ावे की चोरी का यह गंभीर मामला इसी साल जून (2026) में पहली बार सुर्खियों में आया था।

समुद्र में बढ़ी भारत की ताकत, नौसेना के बेड़े में शामिल हुआ INS महेंद्रगिरि

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय नौसेना की ताकत अब और भी बढ़ गई है। शनिवार (11 जुलाई) को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विशाखापट्टनम डॉकयार्ड में आयोजित एक समारोह में स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए स्टील्थ फ्रिगेट INS महेंद्रगिरि को आधिकारिक तौर पर नौसेना के बेड़े में कमीशन कर दिया।नौसेना के साथ ही भारत के लिए भी ये बड़ी उपलब्धि है। यह प्रोजेक्ट 17ए के तहत बना छठा स्वदेशी युद्धपोत है और इसे नौसेना के ईस्टर्न फ्लीट में शामिल किया गया है। बंदरगाह शहर स्थित नौसैनिक डॉकयार्ड में आयोजित समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ ही वरिष्ठ नौसेना अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।इस मौके पर रक्षा मंत्री ने खुशी जाहिर की। यह भारत की रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और स्वदेशी युद्धपोत निर्माण की यात्रा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

हर खतरे से निपटने में सक्षम

इस मौके पर राजनाथ सिंह ने कहा कि आंध्र प्रदेश अब देश के रक्षा और एयरोस्पेस निर्माण क्षेत्र में एक नई ताकत बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि INS महेंद्रगिरि हवा से आने वाले खतरों, समुद्र की सतह पर मौजूद दुश्मन के जहाजों और समुद्र के भीतर पनडुब्बियों का प्रभावी ढंग से मुकाबला कर सकता है। उन्होंने कहा कि ब्लू-वॉटर युद्धपोत के रूप में यह न सिर्फ तट के पास, बल्कि दूर और गहरे समुद्री क्षेत्रों में भी लगातार कई सप्ताह तक तैनात रहकर भारत के समुद्री हितों की रक्षा कर सकता है।

आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि

उन्होंने इसे भारत के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और स्वदेशी युद्धपोत निर्माण की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि बताया। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL), भारतीय नौसेना, INS महेंद्रगिरि के चालक दल और देशवासियों को बधाई देते हुए रक्षा मंत्रीने कहा कि यह युद्धपोत भारत की बढ़ती रक्षा विनिर्माण क्षमता और आत्मनिर्भर भारत के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

समुद्र में कई अभियानों को अंजाम देने में सक्षम

INS महेंद्रगिरि करीब 6,670 टन के कुल वजन और 28 नॉट (करीब 52 किलोमीटर प्रति घंटे) की अधिकतम गति वाला एक बहुउद्देशीय स्टील्थ युद्धपोत है, जो समुद्र में कई अभियानों को अंजाम देने में सक्षम है। इसमें उन्नत स्टील्थ विशेषताएं, हमलों को झेलने और युद्ध में टिके रहने की बेहतर क्षमता, रडार पर कम दिखाई देने की विशेषता तथा उच्च स्तर की स्वचालित प्रणालियां शामिल हैं।

कैंसर-मधुमेह समेत 39 दवाएं सस्ती : मरीजों को मिली बड़ी राहत, अधिक दाम वसूलने पर स्टोर मालिकों को होगी जेल?

मुंबई, एजेंसी। देश के मरीजों के लिए बड़ी खुशखबरी है। सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब आम जनता को सस्ती दवाएं मिलेंगी। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने 39 नई दवाओं के दाम तय कर दिए हैं। अब पूरे देश में ये दवाएं एक ही कीमत पर मिलेंगी। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने इसकी सरकारी अधिसूचना भी जारी कर दी है। कोई भी कंपनी तय दाम से ज्यादा पैसे नहीं ले पाएगी।

इस नए आदेश से करोड़ों लोगों को फायदा होगा। सरकार ने आम और गंभीर दोनों बीमारियों की दवाओं के दाम घटाए हैं। इसमें ब्लड प्रेशर (बीपी) की दवाएं शामिल हैं। शुगर यानी मधुमेह की दवाएं भी सस्ती की गई हैं। इसके अलावा दिल की बीमारी, इन्फेक्शन, मिर्गी और आंखों की दवाओं के रेट तय हुए हैं। दर्द, एचआईवी और कैंसर के इलाज की जीवनरक्षक दवाएं भी अब बेहद कम कीमत पर मिलेंगी।

मनमानी कीमत वसूलने पर सख्त एक्शन

सरकार ने कंपनियों को कड़ा संदेश दिया है। कोई भी मेडिकल स्टोर या कंपनी इन दवाओं को तय रेट से महंगा नहीं बेच सकती है। अगर किसी ने भी मरीजों से ज्यादा पैसे वसूले, तो खैर नहीं होगी। सरकार उस दुकानदार या कंपनी पर सख्त कानूनी कार्रवाई करेगी। ज्यादा वसूली गई पूरी रकम ब्याज के साथ वापस ली जाएगी। इसके लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के कड़े नियमों का इस्तेमाल होगा। मुनाफाखोरी करने वालों को जेल भी जाना पड़ सकता है।

दुकान पर रेट लिस्ट लगाना बेहद जरूरी

नए नियमों को लेकर सरकार बेहद गंभीर है। सभी दवा दुकानदारों और डीलरों को अपनी दुकान में नई रेट लिस्ट लगानी होगी। यह लिस्ट दुकान के सामने साफ अक्षरों में दिखनी चाहिए। इससे ग्राहक खुद दवाओं के सही दाम देख सकेंगे। एनपीपीए ने बताया है कि इन तय कीमतों पर जीएसटी अलग से लगेगा। जो कंपनियां इन दवाओं को नए नाम से बाजार में ला रही हैं, उन्हें भी सरकार के इसी रेट नियम को मानना होगा।

कौन सी दवा अब कितने में मिलेगी?

अधिसूचना के अनुसार, बीपी की एम्लोडिपिन, टेल्मिसार्टन और मेटोप्रोलोल सक्सिनेट कॉम्बिनेशन टैबलेट अब सिर्फ 12.03 रुपये में मिलेगी। इन्फेक्शन के इलाज की अमॉक्सिसिलिन और पोटैशियम क्लैवुलानेट टैबलेट की कीमत अलग-अलग फॉर्मूलेशन के हिसाब से 19.53 रुपये और 27.31 रुपये होगी। एचआईवी के इलाज की डारुनाविर, रिटोनाविर और डोल्यूटेग्राविर किट अब 330.40 रुपये में मिलेगी। वहीं, दिल के मरीजों के काम आने वाला टेनेक्टेप्लेस 50 मिग्रा का इंजेक्शन अब 60,238.27 रुपये में मिलेगा। इसके अलावा एस्पिरिन और मेटफॉर्मिन जैसी कई अन्य जरूरी दवाओं के अधिकतम रेट भी फिक्स कर दिए गए हैं।

‘5 मिनट में वर्दी उतरवा दूंगा...’, डीजे गाड़ी पर चढ़ इंस्पेक्टर को लगा धमकाने, कांवड़िए का वीडियो वायरल

आर्यावर्त संवाददाता

मुजफ्फरनगर। त्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद स्थित प्रसिद्ध शिव चौक से एक बेहद हैरान करने वाली तस्वीर सामने आई है, जिसने आस्था और कानून व्यवस्था के बीच एक नई बहस छेड़ दी है। यहां कांवड़ यात्रा के दौरान डीजे पर चढ़ने से रोकने पर कुछ कांवड़ियों ने भारी हंगामा खड़ा कर दिया। बात इतनी बढ़ गई कि डीजे गाड़ी पर खड़े होकर एक युवक ने हाथ में माइक थामकर ड्यूटी पर तैनात इंस्पेक्टर को सरेआम ‘5 मिनट में वर्दी उतरवा देने’ की खौफनाक धमकी दे डाली। देखते ही देखते पूरा शिव चौक एक राजनीतिक अखाड़े और हंगामे के केंद्र में तब्दील हो गया, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा

है। मुजफ्फरनगर के सबसे व्यस्त और संवेदनशील माने जाने वाले शिव चौक पर इस पूरे फसाद की शुरुआत एक मामूली टोकने से हुई। सुरक्षा व्यवस्था और कानून व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए पुलिस टीम शिव चौक पर मुस्तैद थी। इसी दौरान डीजे की तेज धुनों के बीच कुछ युवक कांवड़ गाड़ी (डीजे) के ऊपर चढ़कर डांस कर रहे थे। सुरक्षा कारणों और दुर्घटना की आशंका को देखते हुए पुलिस ने उन्हें नीचे उतरने को कहा।

SP ने मौके पर पहुंचकर संभाला मोर्चा, ऐसे शांत हुआ मामला

शिव चौक पर काफी देर तक तनाव और हंगामे की स्थिति बनी रही, जिससे हाईवे पर यातायात भी प्रभावित होने लगा था। मामले की संवेदनशीलता और माहौल बिगड़ने की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक (SP) भारी पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। एसपी ने सूझबूझ का परिचय देते हुए डीजे पर सवार कांवड़ियों और आक्रोशित युवकों को कानून का पाठ पढ़ाया और शांत कराया। काफी मशक्कत के बाद जब मामला पूरी तरह शांत हुआ, तब पुलिस ने कांवड़ियों के जत्थे को उनके गंतव्य (मंजिल) के लिए सुरक्षित आगे रवाना कर दिया।

माइक थामकर कोतवाल को धमकी, वीडियो हुआ वायरल

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे एक युवक ने पूरी मर्यादा को ताक पर रख दिया। डीजे कांवड़ पर खड़ा एक युवक हाथ में माइक लेकर शहर कोतवाल बृजेश शर्मा से बेहद आक्रामक लहजे में तीखी बहस करता नजर आ रहा है। वह चिल्लाते हुए पुलिस अधिकारी को सीधे तौर पर ‘5 मिनट में वर्दी उतरवा देने’ की धमकी दे रहा है। युवक ने माइक का इस्तेमाल कर वहां मौजूद भीड़ को उकसाने और पुलिस के खिलाफ धमकी भरा भाषण देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इस दौरान आसपास मौजूद सैकड़ों लोगों की भीड़ और अन्य पुलिसकर्मी किसी तरह हालात को संभालने और युवक को शांत कराने की जद्दोजहद में जुटे रहे।

भक्ति या दबंगई? सोशल मीडिया पर छिड़ी जंग

कांवड़ यात्रा को हमेशा से ही अगाध आस्था, कड़े अनुशासन और पावन शिवभक्ति का प्रतीक माना जाता है। लेकिन मुजफ्फरनगर के शिव चौक पर सामने आई इन तस्वीरों और अभद्र भाषा के वीडियो ने डिजिटल दुनिया में एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या आस्था के नाम पर सरेआम कानून से उलझना, पुलिस अधिकारियों को वर्दी उतरवाने की धमकी देना और सरकारी काम में बाधा डालना कितना उचित है? फिलहाल पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर युवक की शिनाख्त करने और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

पर्यावरण सरंक्षण को लेकर पत्रकारों ने उठाया कदम

» जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया ने शुरू किया पौधरोपण अभियान, पत्रकारों ने लिया हरियाली बढ़ाने का संकल्प

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया के बैनर तले एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनुराग सक्सेना के निर्देशन में आज सुल्तानपुर में वृहद पौधरोपण अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत पौधे रोपे गए तथा 300 पौधों का वितरण किया गया। इस अभियान को एक पेड़ - एक पत्रकार नाम दिया गया है। अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा प्रत्येक पत्रकार को कम से कम एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण का संकल्प दिलाना है। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि यह पौधरोपण अभियान पूरे सप्ताह लगातार चलाया जाएगा। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण के साथ-साथ लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित संगठन के मण्डल महामंत्री नीरज तिवारी जिलाध्यक्ष रामानन्द जिला उपाध्यक्ष शरद श्रीवास्तव जिला महामंत्री फरीद अहमद अर्शी अवधेश गुप्ता रामराज पाण्डेय सिद्धार्थ उपाध्याय राकेश कुमार शर्मा ओम प्रकाश शर्मा महामंत्री कुड़वार ब्लॉक सहित सभी सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए कहा कि वृक्ष ही जीवन का आधार हैं और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण करना समय की आवश्यकता है।

हजरत इमाम जैनुल आबेदीन अलैहिस्सलाम की शहादत पर अमहट में शब्बेदारी व जुलूस का आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। अंजुमन असगरिया कदीम गोराबारिक अमहट की तरफ से शुक्रवार को बाद नमाजे मगरिब जामा मस्जिद गोराबरिक अमहट से कर्बला के शहीदों का शबीह ताबूत का जुलूस उठकर हुसैनिया बादल खां में समाप्त हुआ इसके बाद हुसैनिया नौतामीर गोराबारिक अमहट में एक मजलिस हुई सबसे पहले पेश ख्वानी कुमैल इलाहाबादी ने की।

मजलिस मौलाना मोहम्मद हुसैन हुसैनी मुजफ्फरनगर ने पढी उन्होंने ने कहा कर्बला में हुसैन के घरवालों को तीन दिन का भूखा प्यासा शहीद किया गया इसी लिए इमाम जैनुल आबेदीन अलैहिस्सलाम अपने बाबा हुसैन को 40साल तक जब खाना पानी सामने आता था तो याद करके रोते रहे उसी इमाम की आज शहादत है इसी लिए मजलिस के बाद शबीह ताबूत हजरत इमाम जैनुल आबेदीन अलैहिस्सलाम निकाला गया और रात भर शब्बे दारी हुई जिसमें मुकामी अंजुमनों के अलावा अंजुमन सज्जा दिया नगपुर जलालपुर अंजुमन फैजे हुसैनी अरसांवाअंजुमन अंसारे हुसैनी मुबारकपुर ने नौहा ख्वानी व मातम की संचालन जीशान आजमी ने की। दौराने जुलूस शबीह बिस्तर इमाम जैनुल आबेदीन अलैहिस्सलाम की जियारत कराई गयी दौराने जुलूस मौलाना नदीम असगर बनारस मौलाना सत्तार हुसैन नकवी सहारनपुर ने तकरीरकी यह जुलूस हुसैनिया बादल खां में समाप्त हुआ। इसकी जानकारी हैदर अब्बास खान अध्यक्ष हुसैनी शिया वेलफेयर एसोसिएशन सुल्तानपुर ने दी है।

किसानों के खेतों से गहरे नहर से परेशान खेतों तक नहीं पहुंच रहा पानी

कादीपुर/सुलतानपुर। नहर में पानी न आने से क्षेत्र के किसान अपने खेत में धान की रोपाई नहीं कर पा रहे हैं जिससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है। नहर विभाग की मनमानी के चलते रोहियावा जलालपुर से डोमापुर तक आने वाली माइनर नहर पूरी तरह से बंद हो गई है इसकी कभी साफ सफाई नहीं होने से झाड़ झंकार और सिल्ट जमा है जिससे इसमें पानी नहीं आ पा रहा है पानी नहीं आने से हजारों किसान अपने खेत में धान की रोपाई नहीं कर पा रहे हैं। इसके लिए लोगों ने कई बार इसकी शिकायत किया लेकिन नहर विभाग के आला अफसर आज तक कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं किसानों ने शासन प्रशासन से नहर में पानी पहुंचाए जाने की मांग शासन प्रशासन से की है जिससे किसान के धान की रोपाई समय से हो सके और अगर नहर में समय से पानी नहीं आया तो अन्नदाता किसान धरना प्रदर्शन और रोड जाम कर सकते हैं ।

3 महीने के नवजात के पेट में था 8 हफ्ते का भ्रूण, डॉक्टरों ने जैसे ही निकाला... बाल और हड्डियां देख उड़े सबके होश

आर्यावर्त संवाददाता

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के बरेली जनपद स्थित रामपुर गार्डन के एक निजी अस्पताल में डॉक्टरों ने एक ऐसा अत्यंत दुर्लभ ऑपरेशन किया है, जिसने हर किसी को हैरत में डाल दिया है। शाहजहांपुर जिले के कलान क्षेत्र के रहने वाले एक किसान दंपति के 3 महीने के मासूम बेटे के पेट से डॉक्टरों ने करीब 8 सप्ताह का विकसित भ्रूण सफलतापूर्वक बाहर निकाला है। चिकित्सा विज्ञान की भाषा में इस बेहद दुर्लभ जन्मजात स्थिति को फीटस इन फीटू (Fetus in Fetu) कहा जाता है। डॉक्टरों के मुताबिक, बरेली में यह अपनी तरह का दूसरा मामला है और दुनिया भर में भी इसके बहुत ही गिने-चुने मामले दर्ज हैं।

दरअसल, बच्चे के जन्म के कुछ समय बाद से ही उसे दूध पचाने में भारी दिक्कत होने लगी थी। वह

लगातार उल्टी कर देता था। धीरे-धीरे उसका पेट असामान्य रूप से फूलने लगा और छूने पर पेट के भीतर एक बड़ी गांठ महसूस होने लगी। परेशान माता-पिता बच्चे को जांच के लिए एक निजी मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने जब बच्चे का अल्ट्रासाउंड और अन्य जरूरी टेस्ट किए, तो रिपोर्ट देखकर सब चौंक गए। बच्चे के लिवर के ठीक नीचे एक असामान्य मानव संरचना विकसित हो रही थी, जिसमें बारीक बाल, हड्डियां और अंगुलियों जैसे अंग साफ नजर आ रहे थे।

चूंकि मामला बेहद पेचीदा था, इसलिए शुरुआत में मेडिकल कॉलेज में इस संवेदनशील ऑपरेशन को करने से मना कर दिया गया था। इसके बाद बेबस परिवार बच्चे को लेकर रामपुर गार्डन के प्रसिद्ध पीडियाट्रिक सर्जन डॉ. राजीव अग्रवाल के पास पहुंचा। डॉ. अग्रवाल ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चुनौती स्वीकार की और ऑपरेशन का फैसला लियाः डॉ. राजीव अग्रवाल ने बताया कि उन्होंने करीब 13 वर्ष पहले भी बरेली में ऐसा ही एक दुर्लभ ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया था। उसी पुराने अनुभव के आधार पर पूरी मेडिकल टीम ने बेहद सावधानी से काम किया।

लिवर और किडनी से चिपका था भ्रूण

करीब दो घंटे तक चले इस बेहद जटिल ऑपरेशन के बाद बच्चे के पेट से लगभग 60 ग्राम वजन का भ्रूण सुरक्षित बाहर निकाला गया। डॉक्टरों के अनुसार, यह भ्रूण एक बड़ी सिस्ट (थैली) के अंदर बंद था, जिसमें करीब 200 मिलीलीटर लिक्विड (द्रव्य) भरा हुआ था। सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि इस अंदरूनी भ्रूण को रक्त की आपूर्ति बच्चे के अपने लिवर से हो रही थी और वह लिवर, किडनी तथा आंतों से बुरी तरह चिपका हुआ था। जरा सी चूक बच्चे के अंगों को भारी नुकसान पहुंचा सकती थी।

सफल ऑपरेशन के बाद बच्चा पूरी तरह सुरक्षित

डॉ. राजीव अग्रवाल, डॉ. दीपक मिश्रा और डॉ. विवेक सक्सेना की विशेषज्ञ टीम ने बेहद सूक्ष्म कुशलता दिखाते हुए भ्रूण को बच्चे के मुख्य अंगों से पूरी तरह अलग कर दिया। सफल ऑपरेशन के बाद मासूम बच्चा अब पूरी तरह खतरे से बाहर है और उसकी हालत सामान्य बनी हुई है। सफल सर्जरी के बाद बच्चे के नाना छोटेलाल और पूरे परिवार ने डॉक्टरों की टीम को भगवान का रूप बताते हुए उनका सहृदय आभार व्यक्त किया है।

क्या होती है यह दुर्लभ स्थिति “फीटस इन फीटू”?

चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, ‘फीटस इन फीटू’ एक अत्यंत दुर्लभ जन्मजात विसंगति है। गर्भावस्था की बिल्कुल शुरुआती अवस्था में जब मां के गर्भ में जुड़वां भ्रूण बन रहे होते हैं, तब किसी कारणवश एक भ्रूण दूसरे भ्रूण के शरीर के अंदर समा जाता है। इसके बाद अंदर छिपे हुए उस भ्रूण का सामान्य विकास तो रुक जाता है, लेकिन उसके शरीर के कुछ हिस्से जैसे बाल, हड्डियां और अंगुलियां अंदर ही अंदर बढ़ते रहते हैं।

सत्ता की हनक में जमीन कब्जाओ अभियान?

भाजपा कोषाध्यक्ष पूजा कसौधन पर गंभीर आरोप

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। शहर में भाजपा की जिला कोषाध्यक्ष पूजा कसौधन पर सत्ता के प्रभाव का दुरुपयोग कर बेशकीमती जमीन पर कब्जा करने और पुलिस-प्रशासन को प्रभावित करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पत्रकार वार्ता में विजय प्रधान और अभिषेक बरनवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा नेत्री अपने राजनीतिक रसूख के दम पर कानून को चुनौती दे रही हैं।

विजय प्रधान ने दावा किया कि वह विवादित संपत्ति के प्रथम बैनामेदार हैं, लेकिन इसके बावजूद उनके मकान के ताले में फेवीक्विक व अन्य रसायन डलवाकर कब्जे की कोशिश की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर कोतवाली पुलिस ने भी निष्पक्ष कार्रवाई करने के बजाय उनके लगाए गए कैमरे हटवा दिए।

पत्रकार वार्ता में यह भी आरोप लगाया गया कि भाजपा नेत्री के प्रभाव में पुलिस आम लोगों के साथ दुर्व्यवहार कर रही है और थाने में युवक की पिटाई जैसी घटनाएं इसी दबाव की मिसाल हैं। विजय प्रधान ने कहा कि सत्ता का संरक्षण मिलने से प्रशासन और पुलिस पर दबाव बनाया जा रहा है, जिससे आम नागरिक न्याय के लिए भटकने को मजबूर हैं। पीड़ति पक्ष ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सुशासन के दावों पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की है।

जनसेवा की मिसाल बना श्रद्धा हॉस्पिटल

सुल्तानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के पारा बाजार स्थित श्रद्धा हॉस्पिटल में आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर जनसेवा की मिसाल बनता जा रहा है। 1 जुलाई से शुरू हुए इस शिविर में अब तक 350 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श का लाभ उठाया है। क्षेत्र के साथ-साथ दूरदराज के मरीज भी बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। श्रद्धा हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ.सूरज वैश्य ने बताया कि शिविर 15 जुलाई तक लगातार संचालित रहेगा। इसमें सीबीसी, ईसीजी, टायफाइड जांच, डिजिटल एक्स-रे, ब्लड शुगर समेत कई महत्वपूर्ण जांचें पूरी तरह निःशुल्क की जा रही हैं। अब तक करीब 350 मरीजों का पंजीकरण कर उनकी जांच की जा चुकी है और जरूरत के अनुसार चिकित्सकीय परामर्श भी दिया गया है।डॉ.वैश्य ने बताया कि शिविर का उद्देश्य लोगों को समय रहते बीमारियों की पहचान कर उपचार के प्रति जागरूक करना है,ताकि गंभीर बीमारियों से बचाव संभव हो सके।

खुले नाले में गिरकर 27 साल के इंजीनियर की मौत, बारिश के दौरान नोएडा में बड़ा हादसा, जिम्मेदार कौन?

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। यूपी के नोएडा के सेक्टर-58 में सिस्टम की लापरवाही और प्रशासन की नाकामी ने एक और इंजीनियर की जान ले ली। बारिश के बीच हुए एक दर्दनाक हादसे में 27 वर्षीय बीटेक इंजीनियर आर्यन की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, सड़क किनारे मौजूद बिजली के खंभे में करंट आने के कारण वह खुले नाले में गिर गया, जिससे उसकी जान चली गई।

आर्यन ने बीटेक किया हुआ था और सेक्टर- 58 के एक इनवर्टर फैक्ट्री में काम करता था। आर्यन नोएडा के सेक्टर 22 में रहता था और फर्रुखाबाद का रहने वाला था। आर्यन के पिता की कैंसर बीमारी से मौत हो गई थी। घर वाले आर्यन की शादी के लिए लड़की ढूंढ रहे थे, लेकिन इससे पहले कि वह दूल्हा बनता, बिजली विभाग और नोएडा अथॉरिटी की लापरवाही से उसकी मौत हो गई।

गुरुवार सुबह वह ऑटो से उतरकर अपनी फैक्ट्री की ओर जा रहा था। बारिश के कारण सड़क पर पानी भरा हुआ था, इसलिए वह किनारे से निकल रहा था। इसी दौरान बिजली के खंभे में करंट आने से वह उसकी चपेट में आ गया और संतुलन बिगड़ने पर पास के खुले नाले में जा गिरा। बताया जा रहा है कि बिजली आपूर्ति बंद किए जाने के बाद उसके साथियों ने आर्यन को नाले से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने नोएडा अथॉरिटी और बिजली विभाग पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि मानसून से पहले खुले नालों को ढकने, जल निकासी व्यवस्था सुधारने और बिजली के खंभों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के दावे किए गए थे, लेकिन जमीनी स्तर पर पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए।

हादसे के बाद नोएडा अथॉरिटी ने सेक्टर-58 में खुले नालों पर स्लैब लगाने का काम शुरू कर दिया है। वहीं, पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और संबंधित विभागों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

पहले भी हो चुकी है नाले में गिरने से मौत

इससे पहले भी नोएडा में एक इंजीनियर की नाले में गिरने से मौत हो गई थी। इस साल 16 जनवरी को सेक्टर-150 में बिल्डर के निर्माणाधीन इमारत में खोदे हुए गहरे गड्ढे में डूबने से सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज मेहता की मौत हो गई थी। अब सवाल यह उठ रहा है कि आखिर अथॉरिटी कब जागेगी? और इस तरह से हादसों पर लगाम लगेगी।

राम मंदिर में नकद चढ़ावे में आई कमी, अब 10-20-50 के नोट ज्यादा, 100-500 के हुए कम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर में मिलने वाले नकद चढ़ावे में भी कमी देखने को मिल रही है। बताया जा रहा है कि पहले काउंटिंग के दौरान 100, 200 और 500 रुपये के नोटों की गड्डियां ज्यादा बनती थीं, जबकि अब 10, 20 और 50 रुपये के नोटों की संख्या अधिक है। सूत्र इसे हाल के घटनाक्रम के बाद श्रद्धालुओं के दान देने के तरीके में आए बदलाव से जोड़कर देख रहे हैं। हालांकि, मंदिर ट्रस्ट की ओर से श्रद्धालुओं की संख्या में कमी या चढ़ावे में गिरावट को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। ऐसे में चढ़ावे में कमी और उसके कारणों की स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर

के कुछ कर्मचारियों द्वारा चढ़ावे की चोरी से जुड़े विवाद ने देश के हर समझदार व्यक्ति को परेशान कर दिया। मंदिर पवित्र स्थान होते हैं और चढ़ावा सिर्फ दान नहीं, बल्कि देवता और भक्त के बीच एक व्यक्तिगत जुड़ाव होता है। अयोध्या करोड़ों भारतीयों के दिलों में एक खास जगह रखती है, क्योंकि इसके पुनर्निर्माण से पहले 500 साल लंबा संघर्ष हुआ था। राम मंदिर के प्रति उस गहरे भावनात्मक लगाव के कारण, जो जनवरी 2024 में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दौरान भव्य उत्सवों में दिखाई दिया था, अब चोरी की खबर से लोगों को बहुत दुख हुआ।

क्यों टूट रहा लोगों का भरोसा?

लोगों की नाराजगी की एक और वजह है। मंदिर का प्रबंधन संघ परिवार से जुड़े लोग कर रहे हैं, जिनकी ईमानदारी, सच्चाई और अनुशासन का रिकॉर्ड बेदाग रहा है। संघ परिवार पर लोगों के भरोसे की वजह से ही अयोध्या में नकद और सामान के रूप में बहुत सारा चढ़ावा आता है। इसी भरोसे के टूटने से लोगों की नाराजगी और बढ़ गई।

परिवार के नेताओं को जनता की नाराजगी की गंभीरता का एहसास था। RSS के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने कड़े शब्दों में बयान जारी कर दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की। उन्होंने मंदिर ट्रस्ट से यह भी कहा कि वे “सही वित्तीय प्रबंधन, बिना किसी गलती और पारदर्शी कामकाज का सिस्टम और पवित्रता, शुचिता और सच्ची धार्मिकता वाला माहौल” सुनिश्चित करें। वहीं, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के संतों और प्रतिष्ठित नागरिकों का समूह है और जिसे मंदिर के प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। और तेजी से कार्रवाई करते हुए जांच का काम राज्य सरकार द्वारा गठित स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) को सौंप दिया।

भारत का संविधान एवं इक्कीसवीं सदी का संविधान पर कार्यशाला आयोजित

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में सुल्तानपुर दीवानी सभागार में भारत का संविधान एवं इक्कीसवीं सदी का संविधान विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का गरिमामयी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता जितेंद्र सिंह ने विषय पर गहराई से प्रकाश डाला। कार्यशाला के संयोजक अयोध्या जनपद के गायत्री परिवार के जिला समन्वयक महेंद्र सिंह रहे।

सुल्तानपुर में इस महत्वपूर्ण कार्यशाला का सफल संयोजन व आयोजन गोमती मित्र मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह श्मदनश द्वारा किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता करुणाशंकर दुबे व नागेंद्र सिंह ने

समसामयिक परिप्रेक्ष्य में संवैधानिक मूल्यों की प्रासंगिकता पर बल दिया। इसके साथ ही विशिष्ट वक्ता के रूप में डॉ. सुधाकर सिंह, राकेश सिंह व प्रभाकर सक्सेना ने भी अपने विचार व्यक्त किए और 21वीं सदी की चुनौतियों के बीच संविधान की भूमिका को रेखांकित किया। कार्यक्रम के समापन पर सुल्तानपुर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह ने सभी आगंतुकों, अधिवक्ताओं और प्रबुद्धजनों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर भारी संख्या में अधिवक्ता, प्रबुद्ध नागरिक और गायत्री परिवार के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में बूथ सशक्तीकरण और संगठन विस्तार पर जोर, आगामी अभियानों की बनी रणनीति

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश की प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक शनिवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी की अध्यक्षता तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह की उपस्थिति में आयोजित हुई। बैठक में बूथ सशक्तीकरण, संगठन विस्तार, जनसंपर्क अभियान, वृक्षारोपण अभियान, डिजिटल प्रशिक्षण कार्यक्रम और कारगिल विजय दिवस सहित आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका समर्पित कार्यकर्ता और मजबूत बूथ संगठन है। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर कार्य करने वाला प्रत्येक कार्यकर्ता चुनाव का वास्तविक योद्धा है और संगठन की सफलता का आधार भी वही है। उन्होंने पदाधिकारियों से बूथ स्तर तक नियमित प्रवास, संवाद और संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने और उत्तर प्रदेश में संगठन तथा सरकार को और मजबूत बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों को संगठन द्वारा तय कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अभियान को केवल औपचारिक कार्यक्रम न मानकर जनता से संवाद और विश्वास मजबूत करने का माध्यम बनाया जाए।प्रदेश अध्यक्ष ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष लगातार भ्रम और दुष्प्रचार फैलाने का प्रयास कर रहा है। ऐसे समय में भाजपा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और उपलब्धियों की सही जानकारी दें तथा तथ्यों के आधार पर विपक्ष के आरोपों का जवाब दें।उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती नियमित संपर्क, संवाद और कार्यकर्ताओं के साथ आत्मीय संबंधों पर निर्भर करती है। सभी पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित प्रवास करें, संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करें और बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करें। उन्होंने विश्वास जताया कि उत्तर प्रदेश का प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और अनुशासन के साथ संगठन के सभी अभियानों को सफल बनाएगा।प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने बैठक में संगठनात्मक कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि भाजपा का पूरा संगठन बूथ आधारित है और सभी गतिविधियों का केंद्र बूथ होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बूथ जितना मजबूत होगा, संगठन उतना ही प्रभावी बनेगा। इसलिए प्रत्येक पदाधिकारी बूथ सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नियमित संपर्क और प्रवास सुनिश्चित करें।उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर प्राथमिक और सक्रिय सदस्यों, पुराने एवं नए कार्यकर्ताओं, पूर्व पदाधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों के साथ लगातार संवाद बनाए रखा जाए। संगठन का विस्तार केवल बैठकों से नहीं बल्कि सतत संपर्क और सक्रिय सहभागिता से संभव है।धर्मपाल सिंह ने आगामी वृक्षारोपण अभियान को संगठन का महत्वपूर्ण जनअभियान बताते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज राष्ट्रीय आवश्यकता है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने और अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पौधारोपण के साथ-साथ उनके संरक्षण का संकल्प भी लिया जाना चाहिए।उन्होंने भाजपा के डिजिटल बूथ प्रशिक्षण अभियान को संगठन के तकनीकी सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए कहा कि प्रत्येक बूथ पर अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं को डिजिटल प्रशिक्षण से जोड़ा जाए। उनके अनुसार डिजिटल रूप से प्रशिक्षित कार्यकर्ता संगठन की विचारधारा और केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचा सकेंगे।

जिला पंचायतों का कार्यकाल समाप्त, चुनाव तक मौजूदा अध्यक्ष ही रहेंगे प्रशासक

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की सभी जिला पंचायतों का पांच वर्षीय कार्यकाल 11 जुलाई 2026 को समाप्त हो गया है। इसके मद्देनजर प्रदेश सरकार ने बड़ा प्रशासनिक निर्णय लेते हुए नई जिला पंचायतों के गठन तक वर्तमान जिला पंचायत अध्यक्षों को ही प्रशासक नियुक्त करने का फैसला किया है। ये व्यवस्था नई जिला पंचायतों के गठन तक अथवा अधिकतम छह माह की अवधि, जो भी पहले हो, लागू रहेगी। इस संबंध में पंचायती राज विभाग ने शासनादेश जारी कर सभी जिलाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।पंचायती राज विभाग के प्रमुख सचिव अनिल कुमार द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है कि सामान्य पंचायत निर्वाचन-2021 के बाद गठित जिला पंचायतों का कार्यकाल 11 जुलाई 2026 को समाप्त हो रहा है। उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत अधिनियम, 1961 की धारा 20 के अनुसार प्रत्येक जिला पंचायत अपनी प्रथम बैठक की तिथि से पांच वर्ष तक ही अस्तित्व में रहती है। इसी अधिनियम की धारा 21 के तहत जिला पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का कार्यकाल भी जिला पंचायत के कार्यकाल के साथ स्वतः समाप्त हो जाता है। शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि अधिनियम की धारा 20 (3-क) के तहत यदि अपरिहार्य परिस्थितियों अथवा लोकहित में जिला पंचायत का चुनाव समय से कराना संभव न हो, तो राज्य सरकार प्रशासनिक समिति या प्रशासक नियुक्त कर सकती है। यह व्यवस्था अधिकतम छह माह तक प्रभावी रह सकती है और इस अवधि में जिला पंचायत की सभी शक्तियां, कर्तव्य एवं अधिकार प्रशासक अथवा प्रशासनिक समिति में निहित होंगे।

यूपी चुनाव 2027 से पहले बसपा ने विरोधियों पर साधा निशाना

बहुजन समाज को गुमराह करने की साजिश से रहें सतर्क: मायावती

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 के संदर्भ में लंबा राजनीतिक बयान जारी करते हुए कहा कि बसपा अन्य राजनीतिक दलों की तरह धरना-प्रदर्शन, सड़क जाम, तोड़फोड़, हिंसा, झूठे वादों और भ्रामक प्रचार के माध्यम से राजनीतिक या चुनावी लाभ लेने में विश्वास नहीं करती। उन्होंने दावा किया कि बसपा देश की एकमात्र अम्बेडकरवादी पार्टी है, जो ₹सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय₹ के सिद्धांत पर चलकर गरीबों, मजदूरों, शोषितों, पीड़ितों और उपेक्षित वर्गों के हितों के लिए कार्य करती रही है।मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बसपा के नेतृत्व में बनी चार सरकारों ने जनहित, जनकल्याण, विकास, अपराध नियंत्रण और कानून व्यवस्था के क्षेत्र में बेहतर कार्य किया तथा ₹कानून द्वारा कानून का राज₹ स्थापित किया। उन्होंने कहा कि बसपा ने हमेशा संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप शासन चलाने का प्रयास किया और सत्ता का उपयोग समाज के सभी वर्गों को न्याय दिलाने के लिए किया।उन्होंने आरोप लगाया कि आगामी विधानसभा चुनाव में बसपा का जनाधार बढ़ता देखकर विरोधी दल बेचैन हैं और विभिन्न हथकंडों के माध्यम से दलित एवं बहुजन समाज को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं। उनके अनुसार कुछ दलित संगठनों और राजनीतिक दलों को आगे कर बहुजन समाज के विभिन्न वर्गों को बसपा से दूर करने का प्रयास किया जा रहा है।बसपा प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी छल, प्रपंच और अवसरवादी राजनीति में विश्वास नहीं करती, बल्कि महात्मा ज्योतिबा फुले, नारायण गुरु, राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज, डॉ. भीमराव अम्बेडकर और कांशीराम के बताए मार्ग पर चलते हुए सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक उत्थान के लक्ष्य को सत्ता के माध्यम से प्राप्त करना चाहती है।मायावती ने कहा कि शोषित, पीड़ित, पिछड़े, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, मुस्लिम, अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों तथा आर्थिक रूप से कमजोर सवर्ण समाज के वास्तविक हितों की रक्षा केवल बसपा ही कर सकती है।

ग्रामीण युवाओं को गांव में ही मिलेगी आईएएस-पीसीएस की तैयारी, प्रदेश की 11,350 ग्राम पंचायतों में बन रहीं हाईटेक डिजिटल लाइब्रेरी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी के लिए आधुनिक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पहले चरण में प्रदेश की 11,350 ग्राम पंचायतों में हाईटेक डिजिटल लाइब्रेरी विकसित की जा रही हैं। इन पुस्तकालयों में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), प्रांतीय सिविल सेवा (पीसीएस) तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को ई-बुक्स, वीडियो लेक्चर, ऑडियो सामग्री, डिजिटल क्विज और लगभग 20 हजार डिजिटल शैक्षणिक संसाधनों की सुविधा मिलेगी। सरकार का उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को शहरों जैसी अध्ययन सुविधाएं गांवों में ही उपलब्ध कराना है, ताकि आर्थिक और भौगोलिक बाधाएं उनकी सफलता के मार्ग में रुकावट न बनें।पंचायतीराज विभाग के अनुसार पहले चरण में 32 जिलों की ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित की जा रही हैं। प्रत्येक लाइब्रेरी को आधुनिक तकनीक से लैस किया गया है, जहां विद्यार्थी पारंपरिक पुस्तकों के साथ-साथ डिजिटल माध्यम से भी अध्ययन कर सकेंगे। इससे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी अधिक व्यवस्थित और प्रभावी होगी।सरकार ने प्रत्येक डिजिटल लाइब्रेरी के विकास पर लगभग चार लाख रुपये खर्च किए हैं। इसमें लगभग दो लाख रुपये की लागत से प्रतियोगी परीक्षाओं और सामान्य अध्ययन से संबंधित पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं। इसके अतिरिक्त लगभग 1.30 लाख रुपये के सूचना प्रौद्योगिकी उपकरण तथा करीब 70 हजार रुपये की लागत से आधुनिक फर्नीचर उपलब्ध कराया गया है। इन सुविधाओं के माध्यम से ग्रामीण छात्रों को डिजिटल शिक्षा का बेहतर वातावरण मिलेगा।पंचायतीराज निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि डिजिटल लाइब्रेरी में विद्यार्थियों को 20 हजार से अधिक डिजिटल कंटेंट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इनमें ई-बुक्स, वीडियो लेक्चर, ऑडियो सामग्री, इंटरैक्टिव क्विज और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित अध्ययन सामग्री शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को तकनीक आधारित शिक्षा से जोड़ते हुए उनकी प्रतिस्पर्धी क्षमता को मजबूत बनाना है, जिससे वे राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।योजना के तहत अब तक 10,406 ग्राम पंचायतों की लाइब्रेरियों में पुस्तकें उपलब्ध कराई जा चुकी हैं, जबकि 9,372 ग्राम पंचायतों में आधुनिक फर्नीचर की आपूर्ति भी पूरी हो चुकी है। विभाग द्वारा चरणबद्ध तरीके से सभी लाइब्रेरियों को डिजिटल संसाधनों से जोड़ने का कार्य भी किया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों को एक ही स्थान पर पुस्तकालय और डिजिटल लर्निंग की सुविधा मिल सके।सरकार ने इन डिजिटल लाइब्रेरी के संचालन की जिम्मेदारी ग्राम प्रधान और ग्राम सचिव को सौंपी है।

प्रतिबंधित चाइनीज मांझे की बिक्री रोकने को लेकर व्यापारियों और प्रशासन का संवाद

लखनऊ। प्रतिबंधित चाइनीज मांझे की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने और जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शनिवार को लखनऊ व्यापार मंडल कार्यालय में व्यापारी संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव (राज्य कर) एवं राज्य कर आयुक्त कामिनी रतन चौहान ने व्यापारियों के साथ विस्तृत चर्चा कर सुरक्षित पतंगबाजी को बढ़ावा देने और प्रतिबंधित मांझे के खिलाफ सामूहिक अभियान चलाने का आह्वान किया।बैठक की अध्यक्षता लखनऊ व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र ने की। उन्होंने कहा कि राजधानी के व्यापारी प्रतिबंधित चाइनीज मांझे का व्यापार नहीं कर रहे हैं और इस पर पहले से ही स्वैच्छिक रोक लगा चुके हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में प्रतिबंधित मांझे की बिक्री मुख्य रूप से कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों के माध्यम से हो रही है।

कृषि प्राविधिक सहायक भर्ती में आरक्षण घोटाले का आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी (आप) उत्तर प्रदेश के अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल ने अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा कृषि विभाग में निकाली गई कृषि प्राविधिक सहायक भर्ती को लेकर भाजपा सरकार पर आरक्षण में अनियमितता का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि 2,759 पदों की भर्ती में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप आरक्षण नहीं दिया गया, जिससे आरक्षित वर्गों के सैकड़ों युवाओं के अधिकार प्रभावित हुए हैं।लखनऊ में आयोजित प्रेस वार्ता में विनय पटेल ने कहा कि 2,759 पदों वाली इस भर्ती में एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को कुल 1,380 पद मिलने चाहिए थे, लेकिन सरकार ने केवल 792 पद ही आवंटित किए। उनका आरोप है कि इस प्रक्रिया में आरक्षित वर्गों के 588 पद कम कर दिए गए, जिससे पिछड़े और दलित समाज के युवाओं के साथ अन्याय हुआ है।उन्होंने आरोप लगाया कि भर्ती में ओबीसी वर्ग को केवल 20 प्रतिशत और अनुसूचित जाति वर्ग को मात्र 8 प्रतिशत आरक्षण दिया गया, जबकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) का 10 प्रतिशत आरक्षण यथावत रखा गया। विनय पटेल ने कहा कि इस व्यवस्था के कारण ओबीसी वर्ग को 573, अनुसूचित जाति को 213 तथा अनुसूचित जनजाति को केवल 6 पद मिले। उनके अनुसार यह संविधान की भावना और आरक्षण व्यवस्था के साथ खिलवाड़ है।आप नेता ने कहा कि भाजपा सरकार का यह रवैया नया नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2021 की 69 हजार शिक्षक भर्ती में भी आरक्षण नियमों का पालन नहीं किया गया था, जिससे हजारों आरक्षित पद प्रभावित हुए। इसके अलावा उन्होंने बांदा कृषि विश्वविद्यालय और लखीमपुर सहकारी बैंक की भर्तियों का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि वहां भी नियुक्तियों में एक विशेष वर्ग को प्राथमिकता दी गई।विनय पटेल ने भाजपा के सहयोगी दलों के नेताओं पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में शामिल कुछ दलों के नेता अपने समाज के युवाओं के हितों की रक्षा करने में विफल रहे हैं और आरक्षण से जुड़े मुद्दों पर मौन बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि जब पिछड़े और दलित समाज के युवाओं के अधिकारों का हनन हो रहा है, तब सहयोगी दलों के नेताओं की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है।

विकासनगर में बंद मकानों में चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, दो शातिर गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की विकासनगर थाना पुलिस ने बंद पड़े मकानों में चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी के सोने-चांदी के आभूषण, घरेलू सामान, वारदात में प्रयुक्त एक ईको कार और एक अपाचे मोटरसाइकिल बरामद की है। मामले में तीन चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण किया गया है, जबकि गिरोह के दो अन्य साथियों की तलाश जारी है।पुलिस के अनुसार शनिवार को विकासनगर क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि क्षेत्र में हुई चोरी की घटनाओं में शामिल दो आरोपी सेक्टर-11 स्थित मिनी स्टेडियम के पास एक ईको कार में बैठकर अपने साथियों का इंतजार कर रहे हैं और फिर से चोरी की वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रविन्द्र राठौर (39), निवासी फरीदीपुर, थाना ठाकुरगंज तथा रावेन्द्र कुमार गौतम उर्फ छोटू (27), मूल निवासी अतरौली, हरदोई और वर्तमान निवासी फरीदीपुर, ठाकुरगंज के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से चोरी के आभूषण और अन्य घरेलू सामान बरामद हुआ।पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर एक और दो जुलाई की रात विकासनगर क्षेत्र में सेंट्रल एकेडमी और शहनाई गेस्ट हाउस के पास स्थित तीन बंद मकानों के ताले तोड़कर चोरी की वारदातों को अंजाम दिया था। पुलिस के अनुसार संबंधित मुकदमों के शिकायतकर्ता मौके पर पहुंचे और बरामद सामान की पहचान भी की। चोरी का माल बरामद होने के बाद तीनों मामलों में भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(2) भी बढ़ाई गई है।पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह पहले बंद पड़े मकानों की रेकी करता था। इसके बाद ईको कार और मोटरसाइकिल की मदद से रात के समय सुनसान मकानों के ताले तोड़कर घरों में प्रवेश करता और सोने-चांदी के आभूषण समेत अन्य कीमती सामान चोरी कर लेता था। चोरी के बाद आरोपी माल को आपस में बांट लेते थे और अगली वारदात के लिए लगातार क्षेत्र की निगरानी करते थे।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चांदी के गिलास, कटोरी, पायल, बिछिया, सिक्के, सोने की अंगूठियां, बालियां, चैन, टॉप्स सहित अन्य आभूषण बरामद किए हैं। इसके अलावा वारदात में प्रयुक्त ईको कार और अपाचे मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई है।

ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा का जन्मदिन उत्साह के साथ मनाया गया, प्रदेशभर से शुभकामनियां देने पहुंचे समर्थक और जनप्रतिनिधि

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा का जन्मदिन शनिवार को राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के विभिन्न जनपदों में उत्साह और आत्मीयता के साथ मनाया गया। लखनऊ स्थित उनके सरकारी आवास पर सुबह से ही जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं, समर्थकों, शुभचिंतकों और बड़ी संख्या में नागरिकों का तांता लगा रहा। सभी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा उनके स्वस्थ, दीर्घायु और सफल जीवन की कामना की।दिनभर उनके सरकारी आवास पर बधाई देने वालों का सिलसिला जारी रहा। विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी उनसे मुलाकात कर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर लोगों ने जनसेवा, विकास कार्यों तथा उनकी सरल और संवेदनशील कार्यशैली की

दिल्ली के एआई आधारित स्लज मैनेजमेंट प्लांट का लखनऊ महापौर ने किया निरीक्षण

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित दिल्ली जल बोर्ड के स्लज मैनेजमेंट प्लांट का निरीक्षण कर वहां अपनाई जा रही आधुनिक तकनीकों और स्लज प्रबंधन प्रणाली का विस्तृत अवलोकन किया। उनके साथ नगर निगम लखनऊ के कार्यकारिणी उपाध्यक्ष एवं पार्षद दल के उपनेता सुशील तिवारी 'पम्मी' तथा नगर निगम के पार्षद भी मौजूद रहे।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि प्लांट में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) से निकलने वाले स्लज का वैज्ञानिक तरीके से प्रसंस्करण कर उससे ईंटों का निर्माण किया जा रहा है। इस तकनीक से एक ओर अपशिष्ट का सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल निस्तारण हो रहा है, वहीं दूसरी ओर उसे निर्माण कार्यों के लिए उपयोगी संसाधन में बदला जा रहा है।अधिकारियों के अनुसार यह प्लांट कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित पूरी तरह स्वचालित प्रणाली पर संचालित होता है। पहले एसटीपी से निकलने वाला स्लज सीधे यमुना नदी में पहुंच जाता था, जिससे प्रदूषण की समस्या बढ़ती थी, लेकिन अब उसी स्लज का वैज्ञानिक उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रभावी पहल की जा रही है।महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि इस प्रकार के नवाचार स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। उन्होंने कहा कि अध्ययन भ्रमण के दौरान प्राप्त अनुभवों का उपयोग लखनऊ में अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को अधिक आधुनिक, प्रभावी और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए किया जाएगा, ताकि शहर में स्वच्छता व्यवस्था को नई तकनीकों के माध्यम से और मजबूत किया जा सके।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने यह भी बताया कि स्लज मैनेजमेंट प्लांट का संचालन एसएसपी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्लांट में अपनाई गई तकनीक अपशिष्ट को उपयोगी संसाधन में बदलने का सफल मॉडल है, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ संसाधनों का बेहतर उपयोग भी सुनिश्चित हो रहा है। यह मॉडल देश के अन्य नगर निकायों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन सकता है।

संक्षेप

रेलवे पुलों के सर्विस पाथ पर दोपहिया वाहनों की आवाजाही पर रोक, रेल सुरक्षा के लिए लगाए गए अवरोधक

लखनऊ। रेलवे प्रशासन ने रेल संरक्षा और सुरक्षित ट्रेन संचालन को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से गोरखपुर मंडल के डोमिनगढ़–जगतबेला रेलखंड पर स्थित रेलवे पुल संख्या 182 (ककरा नदी) और रेलवे पुल संख्या 183 (रोहिन नदी) के सर्विस पाथ पर दोपहिया वाहनों की अनधिकृत आवाजाही पूरी तरह रोक दी है। इसके लिए दोनों पुलों के सर्विस पाथ पर अवरोधक (बैरियर) लगाए गए हैं।रेलवे प्रशासन के अनुसार यह कदम रेलवे ट्रैक और पुलों के अनुरक्षण कार्य को सुरक्षित एवं सुचारु बनाए रखने के लिए उठाया गया है। सर्विस पाथ का निर्माण विशेष रूप से रेलवे कर्मचारियों के आवागमन के लिए किया जाता है, ताकि ट्रैक और पुलों के रखरखाव संबंधी कार्य समय पर और सुरक्षित ढंग से किए जा सकें।रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इन पाथ वे का उपयोग ट्रैकमैन, कीमैन तथा ट्रेन संचालन से जुड़े लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर सहित अन्य अधिकृत कर्मचारी आवश्यकता के अनुसार करते हैं। लेकिन पिछले कुछ समय से इन मार्गों का उपयोग अनधिकृत रूप से दोपहिया वाहन चालक भी करने लगे थे, जिससे रेल संरक्षा और परिचालन सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई थी।इसी को देखते हुए रेलवे ने दोनों पुलों के सर्विस पाथ पर अवरोधक स्थापित कर अनधिकृत आवागमन पर रोक लगा दी है। रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई यात्रियों की सुरक्षा, रेलवे कर्मचारियों के सुरक्षित आवागमन तथा ट्रेन संचालन को निर्बाध बनाए रखने के उद्देश्य से की गई है। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि वे रेलवे के सर्विस पाथ और अन्य प्रतिबंधित क्षेत्रों का अनधिकृत उपयोग न करें तथा रेल सुरक्षा नियमों का पालन करें।

विश्व जनसंख्या दिवस पर पूर्वोत्तर रेलवे में जागरूकता कार्यक्रम, परिवार नियोजन और स्वास्थ्य पर किया गया जागरूक

लखनऊ। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल द्वारा ऐशबाग स्थित रेलवे पॉली क्लीनिक में जनसंख्या नियंत्रण, परिवार नियोजन और स्वास्थ्य जागरूकता को लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन तथा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रमेश चंद्र के निर्देशन में किया गया।कार्यक्रम के दौरान अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संजय तिवारी, वरिष्ठ परामर्शदाता डॉ. कुमार उमेश और डॉ. रुचिका किशोर ने उपस्थित रेल कर्मचारियों एवं उनके परिजनों को बढ़ती जनसंख्या के सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण के विभिन्न उपायों पर विस्तार से चर्चा करते हुए परिवार नियोजन को स्वस्थ एवं समृद्ध समाज की आधारशिला बताया।चिकित्सकों ने कहा कि सीमित और सुनियोजित परिवार न केवल बेहतर स्वास्थ्य सुनिश्चित करता है, बल्कि बच्चों के बेहतर पालन-पोषण, शिक्षा और परिवार की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत बनाता है। उन्होंने लोगों से परिवार नियोजन के उपलब्ध साधनों का उपयोग करने तथा स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने की अपील की।कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, संतुलित परिवार, स्वच्छ जीवनशैली और जनसंख्या स्थिरीकरण जैसे विषयों पर भी विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान उपस्थित लोगों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया तथा उन्हें परिवार कल्याण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर आयोजित इस जागरूकता कार्यक्रम में चिकित्सा कर्मियों, रेलवे कर्मचारियों तथा उनके परिवार के सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य जनसंख्या नियंत्रण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्वस्थ समाज के निर्माण में जनभागीदारी को प्रोत्साहित करना रहा।

आधुनिक तकनीक से वन संरक्षण को नई दिशा

ऑटोमेटेड फॉरेस्ट फायर अलर्ट सिस्टम एक उन्नत तकनीक है जो जंगलों में आग लगने की घटनाओं का तुरंत पता लगाकर संबंधित अधिकारियों को सूचित करती है। भारत में, भारतीय वन सर्वेक्षण और विभिन्न राज्य वन विभाग फोरेस्ट फायर अलर्ट एंड मानिटरिंग सिस्टम सैटेलाइट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं। जंगल की आग को ध्यान में रखते हुए श्फोरेस्ट फायर अलर्ट सिस्टम संस्करण 2.0श लाया गया है और पूरी प्रक्रिया को स्वचालित बना दिया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार वन संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग कर रही है। इसी दिशा में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा विकसित ऑटोमेटेड फॉरेस्ट फायर अलर्ट सिस्टम जंगलों में लगने वाली आग की घटनाओं पर त्वरित नियंत्रण सुनिश्चित कर रहा है।

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में विकसित यह तकनीक वन विभाग की कार्यप्रणाली को अधिक तेज, प्रभावी और पारदर्शी बना रही है। इससे वन संपदा, वन्यजीवों और जैव विविधता की सुरक्षा को नई मजबूती मिली है।

अब कुछ ही मिनटों में मिलती है आग लगने की सूचना

पहले वनाग्नि की जानकारी प्राप्त करने और संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने में एक से दो घंटे का समय लग जाता था। इस दौरान आग कई बार बड़े क्षेत्र में फैल जाती थी। अब नई स्वचालित प्रणाली के माध्यम से यह पूरी प्रक्रिया केवल 5 से 10 मिनट में पूरी हो जाती है। इससे समय रहते आग पर नियंत्रण संभव हो रहा है।

उपग्रह तकनीक से होती है सटीक निगरानी

यह प्रणाली अत्याधुनिक उपग्रह तकनीक पर आधारित है। उपग्रह जंगलों में तापमान में होने वाले असामान्य बदलाव की पहचान करता है। वैज्ञानिक विश्लेषण के बाद आग की पुष्टि होने पर संबंधित वन मंडल, रेंज और बीट स्तर के अधिकारियों को तत्काल एसएमएस और ई-मेल के माध्यम से अलर्ट भेज दिया जाता है।

रियल टाइम मॉनिटरिंग से बढ़ी कार्यक्षमता

वन विभाग ने इस प्रणाली को जीआईएस आधारित रियल टाइम डैशबोर्ड से जोड़ा है। इसके माध्यम से अधिकारी वनाग्नि की घटनाओं पर लगातार निगरानी रखते हैं। सूचना मिलते ही फील्ड स्टाफ मौके पर पहुंचकर आग बुझाने की कार्रवाई करता है और उसकी ऑनलाइन रिपोर्ट दर्ज करता है। इससे भविष्य की रणनीति बनाने और संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान करने में भी सहायता मिलती है।

जनजागरूकता और पूर्व तैयारी पर विशेष जोर

वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग केवल तकनीक पर ही निर्भर नहीं है, बल्कि वनाग्नि की रोकथाम के लिए जनभागीदारी को भी बढ़ावा दे रहा है। हर वर्ष वनाग्नि सीजन से पहले फायर लाइन निर्माण, जनजागरूकता अभियान, प्रशिक्षण तथा मॉक ड्रिल आयोजित किए जाते हैं, ताकि आग की घटनाओं को न्यूनतम किया जा सके।

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप का कहना है कि राज्य सरकार आधुनिक तकनीक और बेहतर प्रबंधन के माध्यम से वन संपदा की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उनका मानना है कि यह प्रणाली वन संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है तथा भविष्य में अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणादायी मॉडल साबित होगी।

वन संरक्षण की दिशा में एक प्रभावी पहल

छत्तीसगढ़ का ऑटोमेटेड फॉरेस्ट फायर अलर्ट सिस्टम आधुनिक तकनीक, त्वरित सूचना प्रणाली और प्रभावी प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आया है। इससे वनाग्नि पर समय रहते नियंत्रण संभव हो रहा है और राज्य की अमूल्य वन संपदा, वन्यजीवों तथा पर्यावरण की सुरक्षा को नई मजबूती मिल रही है। यह पहल विकसित छत्तीसगढ़ और सुरक्षित पर्यावरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इंडियाहैंडमेड: भारत की शिल्प विरासत के लिए एक डिजिटल प्लेटफॉर्म

बड़ी संख्या में कारीगरों और बुनकरों के बल पर यह क्षेत्र भारत के उभरते बाजार में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है

इंडियाहैंडमेड एक समर्पित डिजिटल मार्केटप्लेस है जो भारत की हथकरघा और हस्तशिल्प परंपराओं को ऑनलाइन अर्थव्यवस्था में लाता है। यह मंच कारीगरों और बुनकरों को सीधे खरीदारों से जोड़ता है, आजीविका और सांस्कृतिक संरक्षण का समर्थन करते हुए बाजार तक पहुंच का विस्तार करता है। यह जीआई-टैग और ओडीओपी वस्तुओं सहित विविध हस्तनिर्मित उत्पादों को प्रदर्शित करता है, जिससे क्षेत्रीय शिल्प उत्पादों की विभिन्न स्थानों पर मौजूदगी बढ़ती है।

भारत दुनिया की सबसे समृद्ध हथकरघा और हस्तशिल्प परंपराओं में से एक है। यह क्षेत्र न केवल भारत की सांस्कृतिक विरासत का प्रतिनिधित्व करता है, बल्कि समावेशी आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्रोत भी है। भारत में वर्तमान में अनुमानित 64.66 लाख हथकरघा और हस्तशिल्प कारीगर हैं। इस कार्यबल में महिलाओं की काफी भागीदारी है। अगस्त 2025 के आंकड़ों के अनुसार महिलाएं हथकरघा बुनकरों में 71 प्रतिशत और कुल कारीगरों का 64 प्रतिशत हैं। यह मजबूत भागीदारी विशेष रूप से ग्रामीण समुदायों में रोजगार और सशक्तिकरण का समर्थन करने में इस क्षेत्र की भूमिका को दर्शाती है।

बड़ी संख्या में कारीगरों और बुनकरों के बल पर यह क्षेत्र भारत के उभरते बाजार में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। जैसे-जैसे वाणिज्य तेजी से डिजिटल होता जा रहा है, ऑनलाइन पहुंच इन शिल्प समुदायों को बाजार में भागीदारी बढ़ाने में मदद कर रही है। डिजिटल इंडिया पहल के माध्यम से, पारंपरिक आजीविका तेजी से डिजिटल व्यापार के अवसरों तक पहुंच प्राप्त कर रही है। इंडियाहैंडमेड को 2023 में लॉन्च किया गया। यह इस विजन को एक समर्पित डिजिटल मार्केटप्लेस में बदल देता है। वस्त्र मंत्रालय के तहत डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन द्वारा विकसित, यह प्लेटफॉर्म हस्तनिर्मित उत्पादों की मौजूदगी को बढ़ाता है और विक्रेताओं के लिए बाजार के व्यापक अवसर के द्वार खोलता है। इंडियाहैंडमेड विक्रेताओं, खरीदारों और शिल्प विरासत का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन की गई सुविधाओं के एक सेट के माध्यम से परंपराओं को ऑनलाइन बाजार में लाता हैः विशेष ऑनलाइन मार्केटप्लेसः यह बुनकरों और कारीगरों को अपने हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों को ऑनलाइन बेचने में सक्षम बनाता है।

खरीदारों की सीधी पहुंचः कारीगर और बुनकर सीधे खरीदारों से जुड़े हुए हैं, जिससे बिचौलियों को कम करने और उचित मुआवजे का समर्थन करने में मदद मिलती है। अधिक मौजूदगीः प्लेटफ़ॉर्म इंडियाहैंडमेड उत्पादों को व्यापक ग्राहक आधार पर प्रदर्शित करता है, जिससे विक्रेताओं के लिए बाजार के अवसर बढ़ते हैं।

डिजिटल सशक्तिकरणः कारीगरों और बुनकरों को ऑनलाइन व्यापार में अधिक प्रभावी ढंग से भाग लेने के लिए डिजिटल उपकरण और मौजूदगी प्रदान की जाती है। वित्तीय और सामाजिक सशक्तिकरणः व्यापक बाजार पहुंच आजीविका को मजबूत करती है और आय के अवसरों का समर्थन करती है। सांस्कृतिक संरक्षणः शिल्प-आधारित उत्पादों की एक विविध श्रृंखला भारत की हस्तनिर्मित विरासत को दृश्यमान रखती है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पारंपरिक कौशल को संरक्षित करने में मदद करती है। पोर्टल को विश्वास, पहुंच और विक्रेता सशक्तिकरण के आसपास डिज़ाइन किया गया है। यह एक सहज बाज़ार प्रदान करता है, जहां कारीगर और बुनकर खरीदारों तक पहुंच सकते हैं और खरीदार अधिक आत्मविश्वास के साथ हस्तनिर्मित उत्पादों की खोज कर सकते हैं। यह प्लेटफॉर्म रोजमर्रा के हस्तनिर्मित उत्पादों और मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय शिल्प के लिए एक क्यूरेटेड डिजिटल स्पेस प्रदान करता है। यह परिधान, घर की सजावट, साज-सज्जा, पेंटिंग, फर्नीचर, धार्मिक वस्तुओं, स्टेशनरी, संगीत वाद्ययंत्र, आभूषण, बैग और जूते सहित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। यह जीआई-टैग और ओडीओपी उत्पादों जैसी विशेष उत्पाद श्रेणियों पर भी प्रकाश डालता है। यह मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय शिल्प को अधिक मौजूदगी और एक विशिष्ट पहचान प्रदान करता है। जीआई-टैग किए गए उत्पादों में एक भौगोलिक संकेत होता है, जो उन्हें एक विशिष्ट क्षेत्र, गुणवत्ता और प्रतिष्ठा से जोड़ता है। यह प्लेटफॉर्म विभिन्न प्रकार के जीआई-टैग वाले उत्पाद जैसे ऐपन कला, शुद्ध पश्मीना शॉल, डोकरा सजावट और मुंडू उत्पाद प्रदान करता है।

एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) पहल संतुलित क्षेत्रीय विकास का समर्थन करने के लिए प्रत्येक जिले से एक अद्वितीय उत्पाद की पहचान करती है और उसे बढ़ावा देती है। इस प्लेटफॉर्म में तंगेल साड़ी, बनारसी सिल्क उत्पाद, इकत, तसर सिल्क साड़ी, चंदेरी सिल्क और टेराकोटा उत्पाद शामिल हैं। बेहतर पहुंच, बेहतर आश्वासनः खरीदारों को मुफ्त शिपिंग, खरीद सुरक्षा, सुरक्षित भुगतान और खरीदार समर्थन प्रणाली के माध्यम से अधिक विश्वसनीय खरीदारी अनुभव से लाभ होता है। यह प्रतिस्पर्धी कीमतों पर दस्तकारी उत्पादों की पेशकश करके विश्वास को भी मजबूत करता है। विक्रेताओं के लिए सरल ऑनबोर्डिंगः यह मंच कारीगरों, बुनकरों और उत्पादक संगठनों को बाज़ार तक पहुँचने के लिए एक निर्देशित ऑनबोर्डिंग मार्ग प्रदान करता है। जीएसटी पंजीकरण के बिना विक्रेता एक नामांकन आईडी का उपयोग करके पंजीकरण कर सकते हैं, जिसमें केवल अपने राज्य के भीतर बेचने का आदेश है। यह पोर्टल को छोटे कारीगरों और पहली बार डिजिटल विक्रेताओं के लिए अधिक समावेशी और सुलभ बनाता है। इस प्लेटफॉर्म के पीछे कारीगर, बुनकर और उद्यम हैं जिनकी शिल्प परंपराएं डिजिटल व्यापार के माध्यम से फल-फूल रही हैं।

सैंटर्म्स हस्तनिर्मित शिल्प की गर्मी को रोजमर्रा की जिंदगी में लाता है। लकड़ी की सजावट और सुगंधित मोमबत्तियों से लेकर टेराकोटा दीये, संगमरमर की मूर्तियों और हथकरघा साड़ियों तक, प्रत्येक उत्पाद पर्याप्त निगरानी, परंपरा और सुंदरता की सोच को दर्शाता है। दस्तकार क्राफ्ट बेंत और बांस उत्पादों के माध्यम से 500 से अधिक कारीगरों के कौशल को आधुनिक घरों में ले जाता है। वे उच्च-गुणवत्ता, निर्यात-योग्य उत्पाद बनाते हैं, जो समकालीन घरों में सहजता से फिट होते हुए भारत की विरासत का जश्न मनाते हैं। विलेज क्राफ्ट हथकरघा परंपराओं की सादगी और ताकत का जश्न मनाता है। इसके सूती तौलिए, गमछा और बेडशीट कुशल कारीगरों द्वारा देखभाल के साथ बनाए जाते हैं, जो रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं को आराम, गुणवत्ता और विरासत में निहित उत्पादों में बदल देते हैं। ये कहानियां हस्तनिर्मित उत्पादों को एक मानवीय चेहरा देती हैं, जो दिखाती हैं कि डिजिटल बाजार में परंपरा, कौशल और आजीविका एक साथ कैसे आती हैं। इंडियाहैंडमेड डिजिटल इंडिया की भावना को दर्शाता है, शिल्प को आजीविका के स्रोत और भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतिबिंब दोनों के रूप में मान्यता देता है। 60 लाख से अधिक कारीगरों को शामिल करने की योजना के साथ, यह मंच आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करता है। यह कारीगरों और बुनकरों को व्यापक बाजार पहुंच प्रदान करता है और खरीदारों को विश्वास और आसानी से हस्तनिर्मित उत्पादों की खोज करने में मदद करता है।

व्यंग्य

फर्क को पाट पाएंगे

ईरान और यूएई के प्रतिनिधियों में हुई झड़प मिसाल है कि बदली विश्व परिस्थितियों के बीच ब्रिक्स+ के सदस्य ना सिर्फ अलग धरातल पर खड़े हैं, बल्कि वे परस्पर विरोधी रुख भी खुलेआम अपना रहे हैं।

ब्रिक्स+ देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की नई दिल्ली में हुई बैठक एक बार फिर इस समूह के अंदर गहरा रहे मतभेदों को उजागर कर गई। बैठक के दौरान ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के प्रतिनिधियों की बीच हुई झड़प मिसाल है कि बदली विश्व परिस्थितियों के बीच ब्रिक्स+ के सदस्य देश ना सिर्फ अलग धरातल पर खड़े हैं, बल्कि अब वे परस्पर विरोधी रुख भी खुलेआम अपना रहे हैं। ईरान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार घादिर निजामीपुर ने अपने देश पर अमेरिका और इजराइल के हुए हमले में सक्रिय भूमिका निभाने का आरोप यूएई पर लगाया। जबकि यूएई ने ईरान पर उसे अनुचित निशाना बनाने का इल्जाम मढ़ा। इससे ब्रिक्स+ में सर्व-सहमत दृष्टिकोण उभरने की संभावना और कम हो जाने के संकेत मिले हैं।

मेजबान भारत की सहानुभूति यूएई के साथ अधिक है, जिसके इजराइल और अमेरिका से बेहतर रिश्ते हैं। दूसरी तरफ चीन और ईरान के प्रतिनिधियों की द्विपक्षीय बैठक से साफ हुआ कि वे दोनों देश बदल रहे वैश्विक समीकरणों के बीच समान धरातल पर खड़े हैं। ऐसे में ब्रिक्स+ की बैठक का असल महत्त्व इस मौके पर हुई द्विपक्षीय वार्ताएं ही रहीं। इनमें एक खास मौका राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल और चीन के विदेश मंत्री (जो वहां के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भी हैं) वांग यी की मुलाकात रहा। डोवाल और वांग सीमा विवाद पर अपने- अपने देशों के विशेष प्रतिनिधि भी हैं।

दोनों ने भारत- चीन संबंध के ताजा हाल की समीक्षा की। इसी तरह की द्विपक्षीय वार्ताएं अन्य देशों के प्रतिनिधियों के बीच भी हुईं। इस रूप में नई दिल्ली में उनका जुटना सार्थक रहा। बहरहाल, जहां तक ब्रिक्स+ का प्रश्न है, तो उसके महत्त्व और भूमिका को लेकर भले जो कहा जाता हो, लेकिन असल में यह समूह दिशाहीनता का शिकार होता नजर आ रहा है। इसी बात के संकेत पिछले महीने ब्रिक्स+ विदेश मंत्रियों की बैठक में भी मिले थे। सितंबर के मध्य में जब ब्रिक्स+ शिखर सम्मेलन होगा, तो उसमें कोई अलग नजारा होगा या इन देशों के सर्वोच्च नेता नजरिए में फर्क को पाट पाएंगे, इसकी संभावना भी कम ही है।

००

ब्लॉग

मूल्य श्रृंखला का जुड़ाव: पीएम मित्र पार्क के ज़रिए कैसे भारत के टेक्सटाइल क्षेत्र की बदल रही है तस्वीर

पबित्रा मार्गेरिटा

सदियों से, भारत की पहचान उसके परिधानों से गहराई से जुड़ी रही है। चाहे वह कश्मीर के पश्मीना की लंबे समय तक रहने वाली गर्माहट हो, असम के मूंगा सिल्क की सुनहरी चमक हो, तमिलनाडु की शाही कांजीवरम साड़ियाँ हों, चंदेरी की बुनाई हो या सूरत के कारीगरों की कपड़ों पर मशहूर कारीगरी। आज भी यह क्षेत्र हमारी अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बनकर खड़ा है, जो जीडीपी में 2.3त्न, औद्योगिक उत्पादन में 13त्न और निर्यात में 12त्न का योगदान देता है। खेती के बाद भारत में सबसे ज़्यादा रोज़गार देने वाला यह क्षेत्र 45 मिलियन लोगों को सीधे तौर पर और 100 मिलियन से ज़्यादा लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोज़गार देता है। इससे ग्रामीण समुदायों को मजबूती मिलती है और देश भर में लाखों महिलाओं के लिए आर्थिक आज़ादी का रास्ता खुलता है।

वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के एक साथ जुड़ी हुई व्यवस्था के उलट, भारत की वस्त्र मूल्य श्रृंखला ऐतिहासिक रूप से अलग-अलग जगहों पर फैले हुए मॉडल के तौर पर विकसित हुई। कताई, बुनाई, प्रोसेसिंग, कपड़े सिलने और निर्यात जैसी गतिविधियाँ अलग-अलग राज्यों में स्वतंत्र रूप से विकसित हुईं, जिसका अर्थ था कि एक कपड़ा बनने के दौरान अक्सर कई राज्यों की सीमाओं से गुज़रता था। इस बिखराव के कारण कई संरचनात्मक बाधाएँ पैदा हुईं। इसने बड़े पैमाने पर काम करने, आधुनिकीकरण, ऑटोमेशन और आखिरकार मज़दूरों की उत्पादकता को सीमित कर दिया।

इसके साथ ही, मल्टी-मॉडल संपर्क में कमियों की वजह से लॉजिस्टिक्स का बोझ भी बढ़ जाता है। प्रोडक्शन के अलग-अलग चरणों के बीच हर बार सामान को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने या संभालने में अतिरिक्त खर्च और ढुलाई का किराया लगता है। कई चरणों में लंबी दूरी तक सामान को एक जगह से दूसरी जगह भेजने से कुल लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ जाती है और सामान को तेज़ी से बाज़ार तक पहुँचाने की क्षमता खत्म हो जाती है, जो आज की रिटेल व्यवस्था में बार-बार ऑर्डर देने वाले साइकल में एक बहुत बड़ी और नुकसानदायक कमी है।

वर्तमान में पर्यावरण से जुड़ी ज़रूरतों पर भी ध्यान देने की ज़रुरत है। दुनिया भर में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में वस्त्र उद्योग की हिस्सेदारी 8त्न से 10त्न और औद्योगिक जल प्रदूषण में 20त्न है। हज़ारों छोटी-छोटी और अलग-अलग जगहों पर फैली इकाइयों में नियमों को लागू करना और सही तरीके से प्रबंधन करना पहले एक बड़ी प्रशासनिक चुनौती रहा है।

इन रुकावटों को व्यवस्थित रूप से दूर करने के लिए, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अक्टूबर 2021 में पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (पीएम मित्र) योजना शुरू की, जिसके लिए ?4,445 करोड़ का बजट रखा गया। यह एक अहम कदम था, जो एक ऐसा व्यापक मॉडल पेश करता है, जिसमें केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, उद्योगों से जुड़े लोगों और निजी साझेदारों के साथ मिलकर विकास को आगे बढ़ाती है।

इस योजना के केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दूरदर्शी 5एफ फ़ॉर्मूला है यानी फ़ार्म (खेत) से फ़ाइबर (रेशा) से फ़ैक्टरी (कारखाना) से फ़ैशन और फारेन (विदेश) तक पहुंच। यह सोच सीधे तौर पर उस बात को सामने लाती है, जो भारत को वैश्विक मंच पर अलग बनाती हैः हमारी संपूर्ण और बेहद विविध मूल्य श्रंखला। कच्चे माल के आयात या सिर्फ तैयार कपड़ों की बनावट पर निर्भर रहने वाले दूसरे देशों के उलट, भारत वस्त्रों को बनाने की पूरी प्रक्रिया में शामिल है, जिसमें किसानों के खेतों से लेकर हाई-फ़ैशन रनवे तक की प्रक्रिया शामिल है। इस अनोखी समझ की वजह से, हमारी विकास रणनीति को वैश्विक प्रतिस्पर्धा और पूरी तरह से सामाजिक समानता के बीच एक खास संतुलन बनाने की ज़रुरत है। विस्तार करते समय, हमें हर क्षेत्र के कल्याण का ध्यान रखना होगा, ताकि साधारण किसान और ग्रामीण बुनकर से लेकर कपड़े के निर्यातक तक, कोई भी पीछे न छूटे। पीएम मित्र फ्रेमवर्क इसी संतुलन को हासिल करता है।

इन पार्कों को कच्चे माल के मुख्य केंद्रों के पास रणनीतिक रूप से बनाने से ट्रांसपोर्ट का खर्च कम होता है और निर्माण के लिए बिना रुकावट आपूर्ति सुनिश्चित होती है। इससे ज़रूरी बात यह है कि इस नज़दीकी से शुरुआत से आखिर तक ट्रैकिंग भी मुमकिन हो पाती है। चूँकि वैश्विक ब्रांड ऑर्गेनिक या सस्टेनेबल प्रमाणीकरण की मांग करते हैं, इसलिए ये एकीकृत पार्क एक सत्यापन योग्य कस्टडी चेन देते हैं। इससे कड़े वैश्विक ईएसजी नियमों का पालन होता है और विदेशों में प्रीमियम कीमत पाने का रास्ता भी बनता है।

1,000 एकड़ से ज़्यादा के एक ही इलाके में कताई, बुनाई, प्रोसेसिंग और कपड़ा बनाने की सुविधाओं को एक साथ लाने से अलग-अलग राज्यों के बीच सामान ले जाने की ज़रूरत खत्म हो जाती है। इससे माल ढुलाई का खर्च और ट्रांसपोर्ट से होने वाला प्रदूषण भी बहुत कम हो जाता है और सामान तेज़ी से बाज़ार तक पहुँच पाता है। समर्पित माल गलियारे और एक्सप्रेसवे जैसे राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स कॉरिडोर से जुड़े होने के कारण, विदेशी बाज़ारों तक सामान पहुँचाना बहुत सस्ता और किफायती हो जाता है। हर पार्क में प्लग-एंड-प्ले इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर होता है, जिसमें बिजली के खास सब-स्टेशन, लगातार पानी की सप्लाई और तुरंत इस्तेमाल के लिए तैयार फैक्ट्री शेड जैसी सुविधाएँ शामिल हैं। इसके साथ ही, ज़ीरो लिक्विड डिस्चार्ज (ज़ेडएलडी) तकनीक वाले उन्नत एडवांस्ड कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट और आधुनिक सुविधाएँ भी होती हैं, जिससे कारोबारियों पर ढ़ांचागत बोझ कम पड़ता है और कारोबार करने में आसानी होती है।

पीएम मित्र पार्क तेज़ी से कागज़ी योजनाओं को असल ज़मीनी हकीकत में बदल रहे हैं। इस योजना में सात रणनीतिक पार्क शामिल हैंः पाँच ग्रीनफील्ड डेवलपमेंट विरुधुनगर (तमिलनाडु), नवसारी (गुजरात), कलबुर्गी (कर्नाटक), धार (मध्य प्रदेश) और लखनऊ (उत्तर प्रदेश) और दो ब्राउनफील्ड डेवलपमेंट वारंगल (तेलंगाना) और अमरावती (महाराष्ट्र) में। अब तक, इस योजना में कुल ?69,899 करोड़ के निवेश की दिलचस्पी दिखाई गई है, जिसमें से ?27,658 करोड़ का निवेश पहले ही हो चुका है।

10 मई, 2026 को माननीय प्रधानमंत्री ने तेलंगाना के वारंगल में पहले कार्यरत पीएम मित्र पार्क का उद्घाटन किया। इस पार्क में पहले ही ?3,862 करोड़ का निवेश हो चुका है और यहाँ विश्व-स्तरीय पर्यावरण अनुकूल बुनियादी ढ़ांचे पर काम किया जा रहा है। ये विशेषताएँ स्थायित्व के उन मानकों को दर्शाती हैं, जिन्हें सभी सात पार्क साइटों पर स्थापित किया जा रहा है।

पूरे देश में एक साथ काम शुरू होने से सहकारी संघवाद की तेज़ी और सफलता दोनों साफ दिखती है, जहां सभी सात राज्यों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, 100त्न ज़मीन का अधिग्रहण हो चुका है और पर्यावरण से जुड़ी मंज़ूरी भी मिल गई है। पाँच ग्रीनफ़ील्ड साइट्स के लिए जेवी एग्रीमेंट और एसपीवी पूरी तरह से तैयार हैं, जिससे तेज़ी से काम आगे बढ़ रहा है। 2,158 एकड़ में फैले सबसे बड़े पार्क, धार (मध्य प्रदेश) में ?21,436.9 करोड़ के निवेश में दिलचस्पी दिखाई गई है। इसी तरह गुजरात (?13,084 करोड़), महाराष्ट्र (?12,925 करोड़), तमिलनाडु (?6,600 करोड़), उत्तर प्रदेश (?5,345.8 करोड़) और कर्नाटक (?1,700 करोड़) में भी काम को लेकर तेज़ी देखी गई है। तेज़ी से हो रहे इस काम के पीछे केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह का सक्रिय नेतृत्व है। उनके कुशल नेतृत्व में वस्त्र मंत्रालय अपने कामकाज के तरीकों में तेज़ी लाया है, मंत्रालय ने प्रशासनिक रुकावटों को दूर किया है और राज्य सरकारों के साथ अभूतपूर्व स्तर पर आपसी सहयोग को बढ़ावा दिया है।

लेकिन आंकड़े तो कहानी का सिर्फ एक हिस्सा बताते हैं, असली पैमाना इसके मानवीय प्रभाव में दिखता है। प्रत्येक पार्क को संरचनात्मक रूप से इस प्रकार तैयार किया गया है कि इससे लगभग 3 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। यानी सभी सात स्थलों को मिलाकर, 21 लाख से अधिक औपचारिक आजीविकाएं हैं, जो हमारे ग्रामीण परिवारों और महिलाओं को अहम सामाजिक-आर्थिक नींव प्रदान करती हैं, जो पारंपरिक रूप से परिधान निर्माण उद्योग की रीढ़ हैं।

यह व्यापक ढ़ांचागत प्रयास वस्त्र क्षेत्र के महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण 2030 के लिए एक अहम लॉन्चपैड का काम करता है, जिसका लक्ष्य इस दशक के अंत तक भारत के वस्त्र उद्योग को 350 बिलियन डॉलर की वैश्विक महाशक्ति में बदलना है। ऐतिहासिक विखंडन को विश्व स्तरीय, एकीकृत पैमाने से बदलकर करके, पीएम मित्र एक बड़ा संरचनात्मक परिवर्तन ला रहा है। सशक्त नेतृत्व के मार्गदर्शन में, हम भारत को वस्त्रों के निर्विवाद, टिकाऊ और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी केंद्र के तौर पर स्थापित कर रहे हैं।

(लेखक केंद्रीय वस्त्र राज्य मंत्री हैं। व्यक्त किए गए विचार व्यक्तिगत हैं।)

प्रबंधन और आध्यात्म का मर्म समझने वाला होगा राम मंदिर ट्रस्ट का सीईओ, महासचिव लेंगे अंतिम निर्णय

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या के राम मंदिर में श्रद्धालुओं के दान की कथित चोरी का मुद्दा इन दिनों सुर्खियों में बना हुआ है। मामले की जांच के दौरान कई बड़ी खामियां सामने आई हैं। इस बीच मंदिर के प्रशासनिक और प्रबंधकीय व्यवस्था संभालने वाले CEO की नियुक्ति प्रक्रिया अगले हफ़्ते से शुरू होने जा रही है। बताया जा रहा है कि CEO नियुक्त करने वाली 3 सदस्यीय समिति 2-3 दिन में बैठक करेगी।

जानकारी के मुताबिक CEOनियुक्त करने वाली समिति में रिटायर्ड जज प्रमोद कोहली, लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) विष्णुकांत चतुर्वेदी और न्यूक्लियर साइंटिस्ट सुरेश हावरे शामिल हैं। ये सभी बैठक करेंगे और इस मामले पर चर्चा करेंगे।

महासचिव लेंगे अंतिम निर्णय

न्यूक्लियर साइंटिस्ट सुरेश काशीनाथ हावरे ने TV9 भारतवर्ष से बात करते हुए बताया कि श्री राम मंदिर केCEO का नाम तय करना मंदिर ट्रस्ट के महासचिव का विशेषाधिकार है। उन्होंने कहा कि समिति सिर्फ योग्य उम्मीदवारों का एक पैनल तय करके मंदिर ट्रस्ट को सौंप देगी।

क्या होनी चाहिए विशेषता

उन्होंने बताया कि पैनल में अंतिम रूप से चयन उम्मीदवारों की संख्या कितनी होगी ये इस बात पर निर्भर करेगा कि इंटरव्यू देने कितने लोग आते हैं और उनमें प्रबंधन और आध्यात्म की कितनी समझ है। साथ ही मंदिर और धर्म के प्रति उनका दृष्टिकोण क्या है और मंदिर संभालने का कोई अनुभव भी है?। उन्होंने कहा कि इन तमाम बातों पर ही ये निर्भर होगा कि मंदिर ट्रस्ट को योग्य उम्मीदवारों के पैनल में कितने नाम भेजे जाएं।

सुरेश हावरे ने बताया कि समिति की होने जा रही बैठक में तीन सर्वाधिक महत्वपूर्ण बिंदु हैं।

CEO की नियुक्ति के लिए उम्मीदवारों का आवेदन कैसे और कब मांगा जाए?

तीन चरण के बाद फाइनल पैनल में कितने लोगों के नाम मंदिर ट्रस्ट को भेजे जाएं?

नियुक्त होने वाले CEO का वेतन और अन्य सुविधाएं क्या होंगी?

कार्य क्षेत्र और दायित्व

इसके साथ ही CEO का कार्य क्षेत्र और दायित्व क्या होगा ये भी अहम बात है। फिलहाल ये तय है कि नियुक्त CEO मंदिर ट्रस्ट के महासचिव को रिपोर्ट करेगा और नियुक्त CEO को अयोध्या में ही रहना होगा। CEO को वेतन, रहने के लिए मकान और गाड़ी भी मिलेगी।

सुरेश हावरे ने बताया कि नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी तरीके से होगी। इंटरव्यू के लिए आवेदन रिटायर्ड और वर्किंग कोई भी कर सकता है। बस उनको धर्म और प्रबंधन की अच्छी जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अभी समिति में शामिल हम तीनों लोगों की बैठक नहीं हुई है हम जल्दी बैठक करेंगे। उन्होंने बताया कि बैठक के बाद आवेदन प्रक्रिया शुरू की जाएगी।आवेदन कैसे लेना है यह भी बैठक में तय किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आवेदन के लिए कुछ योग्यता भी बैठक में तय की जा सकती हैं। लेकिन जो भी नाम शॉर्ट लिस्ट किए जाएंगे उनमें सबसे महत्वपूर्ण योग्यता धर्म और आध्यात्म के प्रति कितनी रुचि रखते हैं ये महत्वपूर्ण होगा। इसके साथ ही प्रशासन, प्रबंधन और वित्तीय अनुभव का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि CEO का कार्य क्षेत्र संपूर्ण मंदिर की प्रबंधकीय, वित्तीय और प्रशासनिक व्यवस्था देखने की होगी।

महासचिव को सौंपी जाएगी सूची

उन्होंने बताया कि शुरुआती दौर में आवेदन आने के बाद शॉर्ट लिस्ट किया जाएगा। उसके बाद उन नाम पर विचार करके महासचिव को सूची सौंप दी जाएगी। उन्होंने बताया कि चाहे वो कार्यवाहक महासचिव हो या फिर पूर्णकालिक महासचिव हम लोगों को उससे कोई फर्क नहीं पड़ता है जो भी महासचिव का दायित्व निभा रहा होगा उसकी सूची दी जाएगी।

कौन हैं सुरेश हावरे

सुरेश हावरे मंदिर ट्रस्ट के CEO के चयन के लिए गठित तीन सदस्यीय समिति के सदस्य हैं। वो एक सेवानिवृत्त परमाणु वैज्ञानिक हैं जिन्होंने परमाणु ऊर्जा विभाग में 27 साल बिताए हैं। हावरे शिरडी में श्री साईबाबा संस्थान ट्रस्ट के प्रमुख भी रह चुके हैं, इसके साथ ही वो वर्तमान में रायपुर स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) के अध्यक्ष और श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड के मेंबर भी हैं। उन्होंने 'टेम्पल मैनेजमेंट' नामक पुस्तक भी लिखी है।

स्मृति दिवस पर' राग जौनपुरी ' कार्यक्रम 12 को

जौनपुर। कवि, लेखक, अनुवादक, संस्कृतिकर्मी अजय कुमार के स्मृति दिवस पर 12 जुलाई को हिंदी भवन के सभागार में 'राग जौनपुरी 'कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में अजय कुमार की किताब 'राग जौनपुरी' पर परिचर्चा के साथ-साथ कविसम्मेलन- मुशायरा होगा। यह जानकारी हिंदी भवन के अध्यक्षअपल कुमार और मंत्री धीरेन्द्र पटेल ने एक संयुक्त विज्ञप्ति में दी। उन्होंने बतायाकि पिछले वर्ष 10 जुलाई को रात अजय कुमार का निधन हो गया था। उनकी पहली बरसी पर यह आयोजनकिया जा रहा है। आयोजन के पहले सत्र में 12 जुलाईको दोपहर 12 बजे से ' राग जौनपुरी-इतिहास, समाज और संस्कृति ' पर परिचर्चा होगी। परिचर्चा में वरिष्ठ आलोचक प्रणय कृष्ण, वरिष्ठ कवि कौशल किशोर, लेखक एवं आईपीएस अधिकारी अमितकुमार, जाने माने पत्रकार एवं अनुवादक प्रभात कुमार, कवि आलोक श्रीवास्तव, युवा आलोचक प्रेमशंकर सिंह, स्थापत्य कला विशेषज्ञ कनिका सिंह, जाने-माने शायर अहमद निसार, कवि धीरेन्द्र पटेल भाग लेंगे।

विद्यालय अनुशासन का मंदिर : कृपाशंकर सिंह

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। तिलकधारी सिंह इंटर कॉलेज में भव्य पुरातन छात्र सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके पूर्व छात्र बड़ी संख्या में शामिल हुए। समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व गृह राज्यमंत्री, महाराष्ट्र कृपाशंकर सिंह ने अपने छात्र जीवन की यादें साझा करते हुए कहा कि आज लगभग साठ वर्षों बाद अपने उस विद्यालय की धरती पर आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है, जहाँ से हमने शिक्षा ग्रहण कर जीवन की दिशा और संस्कार प्राप्त किए। श्री सिंह ने कहा कि किसी भी व्यक्ति की सफलता की पहली नींव उसके विद्यालय में ही रखी जाती है। विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कार, अनुशासन, नैतिकता और व्यक्तित्व निर्माण का मंदिर होता है। उन्होंने कहा कि आज वे जिस भी स्थान पर हैं, उसमें तिलकधारी सिंह इंटर कॉलेज के शिक्षकों के मार्गदर्शन, अनुशासन और शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान है। पूर्व सांसद विद्यासागर सोनकर, पूर्व सांसद श्याम सिंह यादव, पूर्व सांसद धनंजय सिंह, ज्ञानप्रकाश सिंह,सुरेंद्र सिंह,समेत आदि लोगों ने सम्बोधित किया।

मेरठ छात्रा हत्याकांड : पीड़ित परिवार से मिले पूर्व विधायक संगीत सोम, आर्थिक मदद का एलान, न्याय का दिलाया भरोसा

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ में छात्रा हत्याकांड को लेकर जारी सियासी गतिविधियों के बीच शनिवार को पूर्व विधायक संगीत सोम पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा देते हुए कहा कि बेटी को हर हाल में न्याय मिलेगा। साथ ही वकील की फीस के लिए आर्थिक सहायता देने का भी एलान किया।

पीड़ित परिवार से मुलाकात के दौरान संगीत सोम ने कहा कि मृतक छात्रा पूरे समाज की बेटी थी और उसके साथ जो हुआ, वह बेहद दुखद है। उन्होंने कहा कि बेटी के साथ गलत हुआ है, इसलिए उसे न्याय मिलना ही चाहिए।

उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाया कि पूरी प्रदेश सरकार उनके साथ खड़ी है और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए हर संभव कार्रवाई की जाएगी। उनका कहना था कि सरकार आरोपियों को फांसी तक पहुंचाने के लिए विधिक प्रक्रिया के तहत पूरी मजबूती से पैरवी करेगी।

वकील की फीस के लिए आर्थिक सहायता का एलान

संगीत सोम ने कहा कि पीड़ित परिवार को मजबूत कानूनी लड़ाई लड़ने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। इसके लिए उन्होंने अपनी ओर से वकील की फीस के लिए आर्थिक सहायता देने की घोषणा की, ताकि परिवार सक्षम अधिवक्ता के माध्यम से मुकदमे की पैरवी कर सके। उन्होंने यह भी कहा कि यदि मामले में किसी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही सामने आती है तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

राजनीति से बचने की अपील

पूर्व विधायक ने परिवार से मामले का राजनीतिकरण नहीं होने देने की अपील की। उन्होंने समाजवादी पार्टी और उसके नेताओं पर इस घटना को राजनीतिक मुद्दा बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वह पहले भी कई पीड़ित परिवारों से मिलते रहे हैं और किसी भी पीड़ित के साथ खड़े रहना अपना दायित्व मानते हैं। उन्होंने लोगों से पुलिस और जांच प्रक्रिया पर भरोसा रखने की अपील करते हुए कहा कि अपराधी की पहचान उसके अपराध से होती है, उसकी जाति या धर्म से नहीं। संगीत सोम ने कहा कि दलित समाज को बांटने की राजनीति नहीं होनी चाहिए। दलित समाज देश और सनातन की मजबूत नींव है। उन्होंने दोहराया कि छात्रा को न्याय दिलाना सरकार और समाज, दोनों की समान जिम्मेदारी है।

12 सालों से ठण्डा पड़ा है इलेक्ट्रिक शवदाह गृह

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। रामघाट पर बना इलेक्ट्रिक शवदाह गृह पिछले 12 सालों से निष्क्रिय पड़ा है। गोमती नदी के किनारे स्थित वर्ष 2014 में तीन करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित इस शवदाह गृह में आज तक एक भी चिता नहीं जली है। वर्तमान में इसका उपयोग कफन और अन्य सामग्री रखने के लिए किया जा रहा है, और इसके सिस्टम में जंग लग गई है। रामघाट पर प्रतिदिन लगभग 40 शवों का अंतिम संस्कार होता है। जौनपुर और आजमगढ़ जैसे दूरदराज के क्षेत्रों से भी लोग अंतिम संस्कार के लिए यहां आते हैं।आधुनिक सुविधा होने के बावजूद, लोगों को लकड़ी खरीदकर पारंपरिक चिता सजानी पड़ती है। घाट पर चिमनी वाले आधुनिक शवदाह गृह का शिलापट्ट देखकर लोग अक्सर इसकी निष्क्रियता पर सवाल उठाते हैं। बताया गया कि कि वर्ष 2014 में दो चिमनी वाले शवदाह गृह बनाए गए थे।इनका मुख्य उद्देश्य कम लकड़ी का उपयोग कर शवों का अंतिम संस्कार करना थाय जहां सामान्य चिता में लगभग दो क्विंटल लकड़ी लगती है, वहीं इसमें एक क्विंटल लकड़ी में शवदाह का दावा किया गया था। हालांकि, चिमनी वाले शवदाह गृह में लकड़ी ठीक से न जल पाने के कारण यह व्यवस्था कभी शुरू नहीं हो पाई। उस समय जांच की बात कही गई थी, लेकिन उसका परिणाम आज तक सामने नहीं आया। घाट के डोमराजा राम मूरत चौधरी और सूरज चौहान ने पुष्टि की कि मशीन लगने के बाद से यह एक दिन भी नहीं चली है। उन्होंने जिम्मेदारों पर इस महत्वपूर्ण स्थल की उपेक्षा का आरोप लगाया।

पूर्व क्रिकेटर प्रवीण कुमार के घर में घुसा सांप, बारिश से जलभराव बना मुसीबत, नगर आयुक्त से की शिकायत

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ में लगातार दो दिनों से हो रही बारिश ने मेरठ के कई इलाकों में जलभराव की गंभीर समस्या पैदा कर दी है। रोहटा रोड स्थित ऐरा कॉलोनी भी पानी में डूबी हुई है। हालात ऐसे हैं कि पूर्व भारतीय क्रिकेटर प्रवीण कुमार के घर में भी सांप घुस गया। इसके बाद उन्होंने नगर आयुक्त सौरभ गंगवार से फोन पर बात कर जल निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर प्रवीण कुमार रोहटा रोड स्थित ऐरा कॉलोनी के मकान संख्या ए-18-19 में रहते हैं। उन्होंने बताया कि लगातार बारिश के कारण कॉलोनी में पिछले दो दिनों से जलभराव बना हुआ है। गंदा पानी घरों तक पहुंच गया है और पानी की निकासी नहीं होने से झाड़ियों में रहने वाले सांप तथा अन्य जीव-जंतु रिहायशी इलाकों में आने लगे हैं।

शनिवार को एक सांप उनके घर में घुस गया। आसपास के लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला गया। इससे पहले शुक्रवार को भी कॉलोनी के एक अन्य घर में सांप निकलने की घटना सामने आई थी।

नगर आयुक्त से की जल निकासी की मांग

प्रवीण कुमार ने बताया कि जलभराव के कारण क्षेत्र के लोगों को रोजमर्रा के कामों में भी परेशानी हो रही है। उन्होंने नगर आयुक्त सौरभ गंगवार से फोन पर शिकायत कर जल्द पानी निकासी और आवश्यक व्यवस्था कराने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द जलभराव दूर नहीं हुआ तो बीमारी फैलने के साथ-साथ जहरीले जीवों का खतरा भी बढ़ सकता है।

पत्नी की विदाई को लेकर युवक टावर पर चढ़ा

जौनपुर। जफराबाद थाना के नेवादा गांव में शुक्रवार रात पत्नी की विदाई न होने से नाराज एक युवक मोबाइल टावर पर चढ़ गया। करीब तीन घंटे तक चले ड्रामे के बाद पुलिस ने पत्नी और उसके परिजनों को मौके पर बुलाकर समझाइश दी, जिसके बाद युवक सुरक्षित नीचे उतर आया।शहर कोतवाली क्षेत्र के चाचकपुर फूलमंडी मोहल्ला निवासी गुलशन मौर्य का कुछ दिन पहले पत्नी साधना मौर्या से विवाद हो गया था। इसके बाद साधना अपने मायके सैदनपुर चली गई थी। शुक्रवार को गुलशन पत्नी को विदा कराने ससुराल पहुंचा, लेकिन परिजनों ने विदाई से इनकार कर दिया। इससे नाराज होकर वह सीधे नेवादा गांव स्थित मोबाइल टावर पर चढ़ गया।घटना की सूचना मिलते ही जफराबाद थानाध्यक्ष मिथिलेश तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। बाद में सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता, शहर कोतवाल अनीता सिंह, लाइनबाजार थाना प्रभारी केके सिंह और जलालपुर थानाध्यक्ष सतेंद्र विक्रम सिंह भी मौके पर पहुंचे।

44 साल का विश्वनाथ मंदिर न्यास, 12 साल स्थायी अध्यक्ष के बिना रहा, अब तक 5 को तैनाती मिल सकी

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। 44 साल पुराने श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास ने अब तक करीब 12 साल बिना स्थायी अध्यक्ष के काम किया है। काशी नरेश डॉ. विभूति नारायण सिंह से प्रो. नागेंद्र पांडेय तक कुल पांच स्थायी अध्यक्ष ही रहे हैं। 18 महीने से ज्यादा समय से न्यास अध्यक्ष का पद खाली है। राज्य सरकार की ओर से नामित पांच सदस्यों के नाम भी घोषित नहीं किए गए। 1983 से 2026 के बीच चार बार अध्यक्ष की नियुक्ति में देरी हुई है।

मंदिर प्रशासन ने दिसंबर 2024 में न्यास परिषद का कार्यकाल समाप्त होने से एक महीने पहले ही संभावित अध्यक्ष और पांच नामित सदस्यों के नाम शासन को भेज दिए थे। 18 महीने से ज्यादा का समय बीत चुका है फिर भी न्यास परिषद का गठन नहीं किया गया। वर्तमान में केवल चार पदेन सदस्य ही काम कर रहे हैं। इनमें तीन अधिकारी शामिल हैं। 1983 से अब तक ऐसी स्थिति चार बार बनी, जब न्यास अध्यक्ष और नामित सदस्यों की नियुक्ति में देरी हो रही है। 1983 से 2002 तक मंदिर न्यास के अध्यक्ष काशी नरेश डॉ. विभूति नारायण सिंह थे। उनके निधन के बाद 2002 में मध्य प्रदेश के सेवानिवृत्त अधिकारी टीपी तिवारी को अध्यक्ष बनाया गया था।

उन्होंने कुछ ही महीने बाद ही इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद 2009 तक यह पद खाली रहा और मंडलायुक्त कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में दायित्व निभाते रहे। छह साल बाद 2009 में प्रदेश सरकार ने पंडित हरिहर कृपालु त्रिपाठी को तीन वर्ष के लिए अध्यक्ष नामित किया। 2012 में उनका कार्यकाल समाप्त होने के बाद करीब डेढ़ साल तक यह पद खाली रहा। वर्ष 2013 में पं. अशोक द्विवेदी को न्यास का अध्यक्ष बनाया गया। वह 2003 में न्यास के सदस्य भी रह चुके थे। वर्ष 2016 में उन्हें दूसरी बार अध्यक्ष बनाया गया। 2019 में उनका कार्यकाल समाप्त होने के बाद 2021 में प्रो. नागेंद्र पांडेय को अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

> न्यास परिषद का होना जरूरी है। अध्यक्ष और सदस्यों की मौजूदगी में बैठक में सहमति बनती है। श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर अधिनियम-1983 के नियमों के पालन के लिए यह आवश्यक भी है। जब से अध्यक्ष का कार्यकाल समाप्त हुआ, तब से दर्शन करने भी नहीं गया हूं। – **प्रो. नागेंद्र पांडेय, पूर्व अध्यक्ष, न्यास परिषद**
>
> श्रीकाशी विश्वनाथ न्यास का कार्यकाल समाप्त होने से एक महीने पहले ही संभावित सदस्यों के नाम शासन को भेज दिए गए थे। मंदिर से जुड़े सभी कार्य नियमित रूप से होते रहे हैं। इस संबंध में समय-समय पर पत्राचार भी हुआ है। अब शासन से निर्णय का इंतजार है। – **विश्वभूषण मिश्रा, सीईओ, श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर**

पति ने पकड़े पैर, देवर ने रेता गला... जब राज खुलने का सताया डर तो मासूम बेटे को भी मार डाला, मुरादाबाद में डबल मर्डर से सनसनी

आर्यावर्त संवाददाता

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के पाकबड़ा थाना क्षेत्र में हुए सनसनीखेज दोहरे हत्याकांड ने मानवीय संवेदनाओं और पारिवारिक रिश्तों को पूरी तरह तार-तार कर दिया है। पुलिस तफ्तीश में जो चौंकाने वाला खुलासा हुआ है, उसके अनुसार मौढ़ा तैय्या गांव की रहने वाली सीमा और उसके 10 वर्षीय मासूम बेटे अंकुश की हत्या किसी बाहरी दुश्मन ने नहीं, बल्कि महिला के पति जसराम और देवर जयराम ने मिलकर की थी। इस खौफनाक वारदात के पीछे पारिवारिक कलह, मकान की बकाया रकम का विवाद और चरित्र पर शक जैसी वजहें सामने आई हैं।

पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपियों से पूछताछ के बाद इस खूनी खेल की पूरी पृष्ठभूमि सामने आ चुकी है। आरोपी पति जसराम ने

अपना एक मकान अपने छोटे भाई जयराम को 3 लाख रुपये में बेचा था। इस सौदे में से 60 हजार रुपये तो मिल गए थे, लेकिन बाकी बची रकम को लेकर जसराम की पत्नी सीमा का अक्सर अपने देवर से विवाद होता था। इस रोज-रोज के झगड़े और चरित्र पर संदेह के चलते दोनों भाइयों ने सीमा को रास्ते से हटाने का मन बना लिया। योजना के मुताबिक, देवर जयराम ने चालाकी दिखाई और सीमा व उसके बेटे अंकुश को अगवानपुर से अपनी बाइक पर बैठाकर मौढ़ा तैय्या की तरफ चल दिया।

वारदात को जिस बेरहमी से अंजाम दिया गया, उसे सुनकर किसी का भी दिल दहल जाए। जयराम ने रास्ते में चालाकी करते हुए 10 साल के मासूम अंकुश को एक पेट्रोल पंप पर ही छोड़ दिया और सीमा को बहला-फुसलाकर एक सुनसान खेत की तरफ ले गया। वहां पति जसराम पहले से ही हथियार लेकर घात लगाए बैठा था। खेत में पहुंचते ही पति ने सीमा के पैर जकड़ लिए और देवर जयराम ने धारदार हथियार से उसका गला रेतकर उसे मौत की नींद सुला दिया। सीमा को ठिकाने लगाने के बाद जयराम वापस पेट्रोल पंप पहुंचा। वहां मासूम अंकुश रोते हुए अपनी मां के बारे में पूछने लगा। जयराम को डर सताने लगा कि अगर बच्चा घर जाकर सच बता देगा तो उनका राज खुल जाएगा। इसी खौफ के कारण उसने अपनी ही गोद में खेले मासूम भतीजे अंकुश की भी गला घोंटकर बेरहमी से हत्या कर दी।

पुलिस को उलझाने के लिए सीमा विवाद का बुना ताना-बाना

इस दोहरे कत्ल को अंजाम देने के बाद दोनों शातिर भाइयों ने कानून की आंखों में धूल झोंकने के लिए एक सोची-समझी योजना बनाई थी। उन्होंने मृतका और बच्चे के शवों को गांव के सुदूर खेतों में ले जाकर फेंका। यह इलाका अमरोहा जिले की सीमा के करीब आता है। अनपढ़ होने के बावजूद आरोपियों ने यह शातिर दिमाग लगाया कि दो अलग-अलग जिलों की पुलिस सीमा विवाद में उलझ जाएगी और वे आसानी से बच निकलेंगे। पहचान मिटाने के लिए उन्होंने पेट्रोल छिड़ककर दोनों के चेहरों को भी बुरी तरह झुलसा दिया था।

CCTV फुटेज से बेनकाब हुआ झूठ

पुलिस ने जब मामले की तफ्तीश शुरू की और पेट्रोल पंप के सीसीटीवी (CCTV) कैमरों की फुटेज खंगाली, तो उसमें जयराम बच्चे को छोड़ते और ले जाते हुए साफ नजर आ गया। इस तकनीकी सबूत के बाद पुलिस ने जब जयराम को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की, तो उसका सारा झूठ बेनकाब हो गया और उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

लाचार पिता ने रामगंगा तट पर किया बेटी-नाती का अंतिम संस्कार

इस दुखद घटना की जानकारी मिलते ही मृतका सीमा के लाचार पिता मन्नू चौहान देवरिया जनपद से पाकबड़ा थाने पहुंचे। अपनी बेटी और मासूम नाती के झुलसे हुए शवों को देखकर उनका कलेजा फट गया और वे थाने में ही फूट-फूटकर रो पड़े। नम आंखों से वृद्ध पिता ने बताया कि सीमा की पहली शादी असफल रही थी, जिसके बाद उन्होंने करीब 15 साल पहले बड़े अरमानों के साथ जसराम से उसका दूसरा विवाह कराया था। उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि यहां उसे ऐसा खौफनाक धोखा और मौत नसीब होगी। दुखी पिता ने भारी मन से शवों को वापस देवरिया ले जाने के बजाय मुरादाबाद में ही रामगंगा नदी के तट पर दोनों का अंतिम संस्कार कर दिया।

दोनों कातिल पहुंचे सलाखों के पीछे

पाकबड़ा थाना पुलिस ने इस सनसनीखेज मामले में त्वरित कार्रवाई की है। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए मुख्य आरोपी देवर जयराम को पहले ही दबोच लिया था, वहीं मामले में वांछित चल रहे फरार पति जसराम को भी पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया है। दोनों शातिर हत्यारों के खिलाफ हत्या और साक्ष्य मिटाने की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस इस मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए आरोपियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए मजबूत चार्जशीट तैयार कर रही है।

हादसे में किशोर की मौत, दो घायल

जौनपुर। रामपुर थाना क्षेत्र के मुसईपुर गांव में बीते शुक्रवार की रात करीब 12 बजे एक खड़े डीसीएस से भिड़ने के बाद तेज रफ्तार ट्रेलर घर में घुस गया। इस हादसे में किशोर की दर्दनाक मौत हो गई। दूसरी तरफ एक किशोर और महिला घायल हो गयें हैं।बताते है कि तेज रफ्तार ट्रेलर ने सड़क किनारे खड़ी डीसीएम में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद डीसीएम अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक मकान में घुस गई। हादसे में मकान के बाहर सो रहे 17 वर्षीय किशोर सूरज गुप्ता पुत्र राजेश गुप्ता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका भाई 15 वर्षीय भाई राजकुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। दूसरी ओर चारपाई पर सो रही मंजू देवी, पत्नी रामजियावन गुप्ता भी घायल हो गईं। और एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है। सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मिक्सर की जार को साफ करने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके, होगा आसान

आजकल मिक्सर लगभग हर रसोई में देखने को मिलता है। इसका उपयोग कई चीजों को पीसने के लिए किया जाता है। हालांकि, इसका उपयोग करने के बाद इसे साफ करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है, खासकर अगर जार में कुछ चिपक जाए तो इसे साफ करने में काफी मेहनत लगती है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर मिक्सर की जार को आसानी से साफ किया जा सकता है।

गर्म पानी और साबुन का करें इस्तेमाल

मिक्सर की जार को साफ करने के लिए गर्म पानी और साबुन का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले जार में गर्म पानी भरें, फिर इसमें थोड़ा साबुन डालकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। इसके बाद एक नरम स्पंज से जार को हल्के हाथों से साफ करें। इससे जार की अंदरूनी गंदगी और दाग हट जाएंगे और यह चमकदार बनेगा। ध्यान रखें कि पानी बहुत गर्म न हो ताकि जार टूट न जाए।

सिरका और खाने का सोडा भी है असरदार

मिक्सर की जार को साफ करने के लिए सिरका और खाने का सोडा का मिश्रण भी अच्छा उपाय हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले जार में एक चम्मच सिरका और एक चम्मच खाने का सोडा डालें, फिर इसे कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। इससे जार में जमा गंदगी नरम हो जाएगी। इसके बाद नरम स्पंज से जार को रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। यह तरीका जार को नई जैसी चमकदार बनाएगा।

नींबू का रस भी करेगा मदद

नींबू का रस भी मिक्सर की जार को साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले जार में आधा कप पानी भरें, फिर उसमें दो चम्मच नींबू का रस डालें और इसे कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद सफाई के लिए साबुन डालकर मिक्सर को चलाएं, फिर इसे ठंडे पानी से धो लें। इससे जार की अंदरूनी गंदगी साफ हो जाएगी और यह चमकदार बनेगा।

खाने का सोडा और पानी का मिश्रण बनाएं

खाने का सोडा और पानी का मिश्रण भी मिक्सर की जार को साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले जार में एक चम्मच खाने का सोडा और एक चम्मच पानी डालें, फिर इसे कुछ मिनट के लिए छोड़ दें ताकि खाने का सोडा अच्छी तरह से फैल सके। इसके बाद एक नरम स्पंज से जार को हल्के हाथों से रगड़ें ताकि सारी गंदगी निकल जाए। अंत में ठंडे पानी से धोकर साफ करें।

सफेद सिरका और गर्म पानी का मिश्रण बनाएं

सफेद सिरका और गर्म पानी का मिश्रण भी मिक्सर की जार को साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले जार में आधा कप गर्म पानी भरें, फिर उसमें दो चम्मच सफेद सिरका डालें और इसे कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद नरम स्पंज से जार को रगड़ें ताकि सारी गंदगी निकल जाए। अंत में ठंडे पानी से धोकर साफ करें।

दही से बनाएं ये झटपट रेसिपीज़, स्वाद के साथ मिलेगा भरपूर न्यूट्रिशन

दही पोषक तत्वों से भरपूर होता है और सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इससे कई स्वादिष्ट और झटपट रेसिपीज़ तैयार की जा सकती हैं। आइए जानते हैं ऐसी आसान रेसिपीज़, जो स्वाद के साथ भरपूर पोषण भी देंगी।

दही भारतीय खानपान का एक अहम हिस्सा है और सदियों से इसे रोजमर्रा की डाइट में शामिल किया जाता रहा है। यह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ हल्का और आसानी से पचने वाला फूड माना जाता है। गर्मियों में इसकी लोकप्रियता और भी बढ़ जाती है, क्योंकि यह शरीर को ठंडक पहुंचाने और भोजन का स्वाद बढ़ाने में मदद करता है। यही वजह है कि दही को संतुलित डाइट का जरूरी हिस्सा माना जाता है।

दही में प्रोटीन, कैल्शियम, फॉस्फोरस, विटामिन बी12, राइबोफ्लेविन, पोटैशियम और प्रोबायोटिक्स जैसे कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। संतुलित मात्रा में इसका सेवन पाचन तंत्र को बेहतर बनाए रखने, हड्डियों को मजबूत रखने, शरीर को जरूरी पोषण देने और आंतों के स्वास्थ्य को सपोर्ट करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा, दही लंबे समय तक पेट भरा रखने में भी सहायक माना जाता है। आइए जानते हैं कि दही से कौन-सी झटपट और टेस्टी रेसिपी बनाई जा सकती हैं, इसे और पौष्टिक कैसे बनाया जा सकता है और इसका सेवन करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

दही से बनाएं ये 5 झटपट और टेस्टी रेसिपीज़

दही चावल

पके हुए चावल को ठंडा करके उसमें ताजा दही मिलाएं। स्वाद के लिए राई, करी पत्ता, हरी मिर्च और थोड़ा सा तड़का लगाएं। चाहें तो अनार या कद्दूकस की हुई गाजर भी डाल सकते हैं। यह हल्की और आसानी से पचने वाली डिश है, जो प्रोबायोटिक्स और कार्बोहाइड्रेट का अच्छा सोर्स मानी जाती है।

दही सैंडविच

ताजे दही को थोड़ा गाढ़ा करके उसमें खीरा, गाजर, शिमला मिर्च, काली मिर्च और नमक मिलाएं इस मिश्रण को ब्राउन ब्रेड पर लगाकर सैंडविच तैयार करें। यह जल्दी बनने वाला पौष्टिक नाश्ता है, जो प्रोटीन, कैल्शियम और सब्जियों से मिलने वाले विटामिन व फाइबर प्रदान करता है।

वेजिटेबल रायता

दही में बारीक कटा खीरा, गाजर, टमाटर, प्याज और भुना जीरा पाउडर मिलाएं। ऊपर से हरा धनिया डालकर परोसें। यह स्वादिष्ट और पौष्टिक रेसिपी है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने, पाचन को बेहतर बनाने और कई जरूरी पोषक तत्व उपलब्ध कराने में मदद कर सकती है।

दही ओट्स

ओट्स को हल्का उबालकर या भिगोकर ठंडा करें और उसमें दही मिलाएं। ऊपर से सेब, केला, बेरीज, चिया सीड्स या ड्राई फ्रूट्स डालकर खाएं। यह फाइबर, प्रोटीन और प्रोबायोटिक्स से भरपूर हेल्दी ब्रेकफास्ट है, जो लंबे समय तक पेट भरा रखने में मदद कर सकता है।

दही स्मूदी

दही में केला, आम, स्ट्रॉबेरी या अपनी पसंद का कोई भी फल डालकर ब्लेंड करें। स्वाद के लिए थोड़ा शहद और चिया सीड्स भी मिला सकते हैं। यह स्वादिष्ट और पौष्टिक ड्रिंक है, जो शरीर को प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन और एनर्जी प्रदान करने में मदद करती है।

दही के साथ कौन-सी चीजें मिलाकर इसे और पौष्टिक बनाया जा सकता है?

दही के साथ मौसमी फल, खीरा, गाजर, टमाटर और चुकंदर जैसी सब्जियां मिलाने से इसकी पौष्टिकता बढ़ जाती है। इसमें चिया सीड्स, अलसी, तिल या ड्राई फ्रूट्स मिलाकर हेल्दी फैट और फाइबर की मात्रा बढ़ाई जा सकती है।

ओट्स, म्यूसली या अंकुरित अनाज के साथ दही खाने से यह संतुलित और पौष्टिक भोजन बन जाता है। स्वाद और पोषण दोनों बढ़ाने के लिए पुदीना, धनिया और भुना जीरा भी मिलाया जा सकता है। ध्यान रखें कि दही में अधिक चीनी मिलाने से बचें।

दही का सेवन करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

हमेशा ताजा और अच्छी गुणवत्ता वाला दही ही खाएं। अगर पैकेट वाला दही इस्तेमाल कर रहे हैं, तो उसकी एक्सपायरी डेट जरूर जांच लें। दही में जरूरत से ज्यादा चीनी या मीठे सिरप मिलाने से बचें। संतुलित मात्रा में इसका सेवन करें और इसे संतुलित डाइट का हिस्सा बनाएं।

अगर आपको दूध या डेयरी प्रोडक्ट्स से एलर्जी है या लैक्टोज इनटॉलरेंस की समस्या है, तो दही का सेवन करने से पहले डॉक्टर या डाइटिशियन की सलाह लेना बेहतर रहेगा।

किचन की ये गलतियां पौष्टिक खाने को भी बना सकती हैं अनहेल्दी

खाना बनाते समय की गई छोटी-छोटी गलतियां पौष्टिक भोजन को भी अनहेल्दी बना सकती हैं। अक्सर लोग अनजाने में ऐसी आदतें अपनाते हैं, जो खाने की गुणवत्ता और पोषण पर असर डालती हैं। आइए जानते हैं किचन की किन गलतियों से बचना जरूरी है।

स्वस्थ रहने के लिए सिर्फ पौष्टिक चीजें खाना ही काफी नहीं है, बल्कि उन्हें सही तरीके से तैयार करना भी उतना ही जरूरी माना जाता है। कई बार हम अच्छी गुणवत्ता वाली सामग्री का इस्तेमाल तो करते हैं, लेकिन खाना बनाते समय अनजाने में की गई छोटी-छोटी गलतियां उसके पोषण पर असर डाल सकती हैं। यही कारण है कि किचन में अपनाई जाने वाली सही आदतें भी संतुलित डाइट का अहम हिस्सा मानी जाती हैं।

भोजन की पौष्टिकता सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करती कि आप क्या खा रहे हैं, बल्कि इस पर भी निर्भर करती है कि खाना किस तरह तैयार किया गया है। इसलिए किचन में कुछ अच्छी आदतों को अपनाना जरूरी माना जाता है। आइए जानते हैं कि किचन में कौन-सी छोटी गलतियां खाने को अनहेल्दी बना सकती हैं, कौन-सी अच्छी आदतें भोजन को अधिक पौष्टिक बनाए रखने में मदद कर सकती हैं और खाना बनाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए

सब्जियों को जरूरत से ज्यादा पकाना

सब्जियों को बहुत देर तक या तेज आंच पर पकाने से उनमें मौजूद कुछ विटामिन, खासकर विटामिन सी और कुछ बी विटामिन, कम हो सकते हैं। इसलिए सब्जियों को जरूरत के अनुसार ही पकाएं, ताकि उनका स्वाद, रंग और पोषण बेहतर बना रहे।

बार-बार एक ही तेल का इस्तेमाल करना

एक बार इस्तेमाल किए गए तेल को बार-बार गर्म करके उपयोग करने से उसमें हानिकारक तत्व बन सकते हैं। इससे खाने की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। बेहतर है कि तलने के लिए इस्तेमाल किए गए तेल को बार-बार दोबारा गर्म करने से बचें।

जरूरत से ज्यादा नमक और मसाले डालना

खाने में अधिक नमक और मसालों का इस्तेमाल स्वाद तो बढ़ा सकता है, लेकिन जरूरत से ज्यादा मात्रा स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं मानी जाती। संतुलित मात्रा में नमक और मसाले डालने से भोजन स्वादिष्ट होने के साथ अधिक संतुलित भी रहता है।

सब्जियों को काटकर लंबे समय तक खुला छोड़ना

सब्जियों को काटने के बाद लंबे समय तक खुला छोड़ने से उनका ताजापन और कुछ पोषक तत्व प्रभावित हो सकते हैं। बेहतर है कि जरूरत के समय ही सब्जियां काटें और जल्द से जल्द उनका इस्तेमाल कर लें।

गलत तरीके से खाने को स्टोर करना

फल, सब्जियां, दालें और मसालों को सही तापमान और साफ, सूखी जगह पर स्टोर करना जरूरी है। गलत तरीके से रखने पर इनमें नमी आ सकती है, जिससे इनकी गुणवत्ता और ताजगी प्रभावित हो सकती है।

किचन में अपनाई गई कौन-सी अच्छी आदतें खाने को हेल्दी बना सकती हैं?

खाना बनाने से पहले और बाद में हाथ अच्छी तरह धोएं तथा किचन और बर्तनों की साफ-सफाई का ध्यान रखें। ताजी और अच्छी गुणवत्ता वाली सामग्री का इस्तेमाल करें। सब्जियों को अच्छी तरह धोकर ही काटें और जरूरत के अनुसार ही पकाएं। तलने की बजाय उबालना, भाप में पकाना या हल्के तेल में पकाना बेहतर विकल्प हो सकता है।

भोजन में साबुत अनाज, दालें, हरी सब्जियां और मौसमी फलों को शामिल करें। साथ ही खाने की चीजों को सही तरीके से स्टोर करें, ताकि उनका पोषण और ताजगी लंबे समय तक बनी रहे।

खाना बनाते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

खाना बनाते समय साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें और ताजी सामग्री का ही इस्तेमाल करें। जरूरत से ज्यादा तेल, नमक और चीनी डालने से बचें। भोजन को जरूरत से ज्यादा न पकाएं और सही तापमान पर तैयार करें।

कच्चे और पके हुए खाने की चीजों को अलग-अलग रखें, ताकि संक्रमण का खतरा कम हो। साथ ही संतुलित डाइट तैयार करने के लिए भोजन में प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर चीजों को शामिल करने की कोशिश करें।

विदेश में है बैंक अकाउंट या प्रॉपर्टी? आईटीआर फाइल करने से पहले पढ़ लें ये जरूरी खबर

आईटीआर फाइल करते समय हर NRI को विदेशी संपत्ति की जानकारी देना जरूरी नहीं है। यह नियम केवल कुछ करदाताओं पर लागू होता है। रेजिडेंशियल स्टेटस के आधार पर तय होता है कि आपको Schedule FA भरना है या नहीं।

आईटीआर दाखिल करने का समय चल रहा है। ऐसे में विदेश में रहने वाले भारतीयों (NRI) और विदेशी संपत्ति रखने वाले करदाताओं के मन में एक बड़ा सवाल है कि क्या हर NRI के लिए ITR में अपनी विदेशी संपत्तियों का खुलासा करना अनिवार्य है? टैक्स विशेषज्ञों के मुताबिक इसका जवाब 'नहीं' है। केवल NRI होने की वजह से Schedule FA भरना जरूरी नहीं होता। यह पूरी तरह इस बात पर निर्भर करता है कि संबंधित वित्त वर्ष में आपकी टैक्स रेजिडेंसी क्या रही है।

किसे भरना होगा Schedule FA?

आयकर कानून के अनुसार, केवल वे करदाता जो Resident and Ordinarily Resident (ROR) की श्रेणी में आते हैं, उन्हें ITR में Schedule FA भरना होता है। इस शेड्यूल में विदेश में मौजूद बैंक खाते, शेयर, म्यूचुअल फंड, बॉन्ड, विदेशी अचल संपत्ति, ट्रस्ट में हिस्सेदारी और अन्य विदेशी परिसंपत्तियों की जानकारी देनी होती है।

वहीं, यदि कोई व्यक्ति NRI या RNOR की श्रेणी में आता है, तो सामान्य परिस्थितियों में उसे Schedule FA भरने की आवश्यकता नहीं होती। इसलिए रिटर्न दाखिल करने से पहले अपना रेजिडेंशियल स्टेटस सही तरीके से तय करना बेहद जरूरी है।

विदेशी संपत्ति की कौन-कौन सी जानकारी देनी होती है?

जिन करदाताओं पर Schedule FA लागू होता है, उन्हें विदेशी बैंक खातों, कस्टडी या डिपॉजिटरी अकाउंट, विदेशी कंपनियों के शेयर, म्यूचुअल फंड, बॉन्ड, विदेशी अचल संपत्ति और अन्य वित्तीय हितों का पूरा विवरण देना होता है। कई मामलों में खाते का अधिकतम बैलेंस (Peak Balance) और निवेश का मूल्य भी बताना पड़ता है। यदि किसी विदेशी संपत्ति से आय हुई है, तो उसकी जानकारी भी आयकर रिटर्न में देना अनिवार्य है।

गलत जानकारी देना पड़ सकता है भारी

विशेषज्ञों का कहना है कि विदेशी संपत्ति की जानकारी छिपाना या गलत विवरण देना गंभीर मामला माना जाता है। ऐसे मामलों में ब्लैक मनी (अघोषित विदेशी आय और परिसंपत्तियां) कानून, 2015 के तहत जांच, भारी जुर्माना और अन्य कानूनी कार्रवाई हो सकती है। इसलिए जिन लोगों पर यह नियम लागू होता है, उन्हें पूरी सावधानी के साथ सही जानकारी देनी चाहिए।

सही आईटीआर फॉर्म चुनना भी जरूरी

Schedule FA भरने वाले करदाता ITR-1 या ITR-4 का इस्तेमाल नहीं कर सकते, क्योंकि इन फॉर्म में विदेशी संपत्तियों का विवरण देने का विकल्प नहीं होता। ऐसे मामलों में आमतौर पर ITR-2 या संबंधित अन्य ITR फॉर्म भरना पड़ता है।

टैक्स विशेषज्ञों की सलाह है कि ITR दाखिल करने से पहले अपना रेजिडेंशियल स्टेटस, विदेशी आय और विदेशी संपत्तियों की स्थिति की सही जांच कर लें। इससे न सिर्फ रिटर्न सही तरीके से दाखिल होगा, बल्कि भविष्य में आयकर विभाग की ओर से नोटिस या किसी कानूनी परेशानी की आशंका भी कम हो जाएगी।

ई20 पेट्रोल पर उठ रहे सवालों का सरकार ने दिया जवाब, बोले- यह पूरी तरह सुरक्षित और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित ईंधन

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने एथेनॉल मिश्रित ईंधन (ई20) को लेकर उठ रही आलोचनाओं को खारिज करते हुए कहा कि ई20 पेट्रोल पूरी तरह वैज्ञानिक रूप से परीक्षण किया गया, सुरक्षित और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित ईंधन है। उन्होंने आरोप लगाया कि ई85 ईंधन के अनुकूल वाहनों की शुरुआत के बाद एथेनॉल मिश्रित ईंधन के खिलाफ गलत जानकारी फैलाने का अभियान तेज हो गया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में मंत्री ने कहा कि भारत में अप्रैल 2023 से ई15, अप्रैल 2024 से ई19 और अप्रैल 2025 से ई20 ईंधन का इस्तेमाल किया जा रहा है। इतने बड़े स्तर पर इसके उपयोग के बावजूद कोई बड़ी समस्या सामने नहीं आई है। हरदीप सिंह पुरी ने कहा, देश में 20 करोड़ से अधिक दोपहिया वाहन और 20 लाख से ज्यादा चारपहिया वाहन कई वर्षों से सफलतापूर्वक ई20 ईंधन पर चल रहे हैं। इसके बावजूद, अचानक एथेनॉल मिश्रण के खिलाफ अभियान तेज हो गया है। उन्होंने दावा किया कि 5 जून को फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के लिए ई85 ईंधन लॉन्च किए जाने के बाद इस तरह की आलोचनाएं बढ़ने लगीं। उन्होंने इसे भारत की आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। मंत्री ने कहा, अगर समय और घटनाक्रम को ध्यान से देखें तो यह पैटर्न नजरअंदाज करना मुश्किल है। ई85 अनुकूल वाहनों की शुरुआत के तुरंत बाद एथेनॉल मिश्रित ईंधन को लेकर डर फैलाने की कोशिशें शुरू हो गईं। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है और वैश्विक तेल मांग में होने वाली वृद्धि का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा भारत से आता है। ऐसे में देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए वैकल्पिक घरेलू ईंधनों का विस्तार बेहद जरूरी है। मंत्री ने आगे कहा, पेट्रोल में मिलाया जाने वाला प्रति लीटर एथेनॉल कच्चे तेल के आयात को कम करता है, भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत बनाता है, वायु प्रदूषण घटाने में मदद करता है, किसानों की आय बढ़ाता है और विदेशी मुद्रा की बचत करता है।

केंद्रीय मंत्री ने ई20 को व्यापक रूप से परीक्षण किया गया, वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य और पूरी तरह सुरक्षित ईंधन बताया। उन्होंने कहा कि एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम ने देश के 'अन्नदाता' किसानों को 'ऊर्जादाता' बनाने का काम किया है, क्योंकि इससे किसानों को आय का एक अतिरिक्त स्रोत मिला है। उन्होंने यह भी कहा कि एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम की शुरुआत पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान हुई थी। ऐसे में अब इसके तेजी से विस्तार का विरोध राजनीतिक कारणों से प्रेरित प्रतीत होता है। हरदीप सिंह पुरी के अनुसार, यह कार्यक्रम न केवल भारत की आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करता है, बल्कि देश को भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से होने वाले जोखिमों के प्रति भी अधिक मजबूत बनाता है।

ना धुआं, ना डीजल, इस दिन चलेगी भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन

भारतीय रेलवे इतिहास रचने की दहलीज पर खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को हरियाणा के जींद रेलवे स्टेशन से देश की पहली हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना कर सकते हैं। रेलवे के लिए यह केवल एक नई ट्रेन की शुरुआत नहीं, बल्कि हरित और स्वच्छ परिवहन की दिशा में उठाया गया अब तक का सबसे बड़ा और क्रांतिकारी कदम माना जा रहा है। पिछले करीब ढाई महीनों से सोनीपत, जींद और नई दिल्ली के बीच विभिन्न परिस्थितियों में इस खास ट्रेन का सफल ट्रायल किया गया है। यह ट्रेन पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल है, क्योंकि इसके संचालन में प्रदूषण या कार्बन उत्सर्जन बिल्कुल नहीं होता और केवल पानी की भाप निकलती है। शुरुआती चरण में भारत की इस पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरियाणा के जींद और सोनीपत रूट पर ही चलाया जाएगा। यह ट्रेन रोजाना दो राउंड ट्रिप पूरी करेगी और कुल करीब 356 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। यात्री सुविधाओं और क्षमता की बात करें तो इस ट्रेन में कुल 10 कोच लगाए गए हैं, जिनमें दो ड्राइविंग पावर कार और आठ पैसेंजर कोच शामिल हैं। इसमें बैठने के लिए 682 सीटें हैं, जबकि कुल मिलाकर 2,600 से अधिक यात्रियों के एक साथ सफर करने की क्षमता है। ट्रेन को ईंधन की निर्बाध आपूर्ति के लिए रेलवे ने जींद में ही स्वदेशी तकनीक से हाइड्रोजन स्टोरेज और रिफ्यूलिंग स्टेशन तैयार किया है, ताकि स्थानीय स्तर पर ही ट्रेन को ईंधन आसानी से उपलब्ध हो सके। ट्रेन की तकनीकी बनावट बेहद अत्याधुनिक और शक्तिशाली है। इसमें लगी हर ड्राइविंग पावर कार 1,200 किलोवाट बिजली पैदा करने में सक्षम है, जो लगभग 1,600 हॉर्सपावर के बराबर शक्ति देती है। इस खास ट्रेन में एक बार में करीब 440 किलोग्राम कंप्रेस्ड हाइड्रोजन स्टोर की जा सकती है। हालांकि इस ट्रेन को अधिकतम 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने के लिए डिजाइन किया गया है, लेकिन जींद-सोनीपत सेक्शन के ट्रैक पर इसे फिलहाल 75 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ही संचालित किया जाएगा।

होर्मुज को खुला घोषित करे ईरान, अमेरिका ने रखी शर्त- जहाजों पर बंद करना होगा हमला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान से मांग की कि वह होर्मुज स्ट्रेट को खुला घोषित करे, जहाजों पर हमले बंद करे और यह सार्वजनिक रूप से गारंटी दे कि वहां से गुजरने वाले जहाजों को बिना किसी टोल के सुरक्षित मार्ग मिलेगा। अमेरिकी प्रशासन ने कहा कि तेहरान में सत्ता के लिए चल रही अंदरूनी खींचतान की वजह से किसी समझौते पर पहुंचना और उसे बनाए रखना मुश्किल हो गया है।

ईरान के साथ मौजूदा हालात के बारे में पत्रकारों को जानकारी देते हुए, नाम न बताने की शर्त पर अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि इस हफ्ते फिर से हमले तब शुरू हुए जब ईरान के कट्टरपंथियों के एक गुट ने तेहरान और वॉशिंगटन के बीच हुए संघर्ष-विराम को नाकाम करने की कोशिश की। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर फिर कहा कि वे अंतरिम संघर्ष-विराम समझौते को खत्म मानते हैं। लेकिन उन्होंने कहा कि अमेरिका युद्ध को स्थायी रूप से खत्म करने के मकसद से बातचीत जारी रखेगा। अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि ट्रंप अमेरिकी वार्ताकारों को ईरान के साथ समझौता करने के लिए सीमित समय दे रहे हैं, लेकिन आगे आने वाली चुनौतियों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अगर बातचीत विफल रहती है तो राष्ट्रपति के पास कई विकल्प मौजूद हैं। उन्होंने यह भी कहा कि युद्ध की शुरुआत में अमेरिका और इजराइल के हमलों में ईरान के लंबे समय से नेता रहे अयातुल्ला अली खामेनेई के मारे जाने के बाद ईरान में सत्ता के लिए संघर्ष चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि अमेरिका ईरान पर दबाव बना रहा है कि वह सार्वजनिक रूप से यह बयान दे कि होर्मुज स्ट्रेट जो दुनिया के ऊर्जा बाजारों के लिए एक अहम समुद्री रास्ता है, जहाज़ों के आने-जाने के लिए खुला और आज़ाद है।

अंतरिम समझौते का उल्लंघन

लेकिन अमेरिकी अधिकारियों के बोलने से कुछ ही देर पहले, संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजनयिक ने पत्रकारों से कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में कोई भी गतिविधि, जिसमें इसे खोलना या बारूदी सुरंगें हटाना शामिल है, पूरी तरह से ईरान के अधिकार क्षेत्र में है। राजदूत अमीर सईद इरावानी ने UN सुरक्षा परिषद के बाहर कहा, बाहरी ताकतों द्वारा दखल देने या सत्ता की कोई व्यवस्था बनाने की कोई भी कोशिश (अंतरिम समझौते) का उल्लंघन होगी और इसके लागू होने में बाधा डालेगी, सामान्य व्यावसायिक आवाजाही की बहाली में देरी करेगी, समुद्री सुरक्षा को खतरे में डालेगी और क्षेत्रीय तनाव बढ़ाएगी।

ईरान का कहना है कि अब होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह से उसके नियंत्रण में होना चाहिए और जहाजों को तेहरान को शुल्क देना चाहिए, भले ही दुनिया दशकों से इसे एक अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग मानती रही है। युद्ध शुरू होने से पहले, दुनिया भर में व्यापार होने वाले तेल और प्राकृतिक गैस का लगभग पांचवां हिस्सा इसी स्ट्रेट से होकर गुजरता था। संघर्ष के दौरान होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान के कब्ज़े के कारण वैश्विक ऊर्जा संकट पैदा हो गया था, हालांकि युद्ध के समय तेल की कीमतें जो 120 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थीं, उनमें अब भारी गिरावट आई है।

अमेरिका के हमले रोकने के बाद भी अटैक

शुक्रवार को ईरान पर हुए हवाई हमलों की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली। ये हमले तब हुए जब अमेरिका ने कहा था कि उसने अपने हमले रोक दिए हैं। इससे यह सवाल उठ रहा है कि इस्लामिक रिपब्लिक को और कौन निशाना बना रहा है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स ने कहा कि सीजफायर (युद्धविराम) के बारे में ट्रंप की घोषणा के बाद कोई ऑपरेशनल अपडेट नहीं था। खाड़ी के अरब देशों ने, जिन्हें ईरान ने 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद से बार-बार निशाना बनाया है। शुक्रवार को इन हमलों पर टिप्पणी के अनुरोधों का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। इजराइल, जिसने ईरान युद्ध में हिस्सा लिया था, उसने भी ईरान पर हाल के किसी हमले की ज़िम्मेदारी नहीं ली है।

दक्षिणी ईरान के कई इलाकों में हमले

गुरुवार को हुए हमले दक्षिणी ईरान के कई इलाकों में हुए, ठीक उसी समय जब ईरान दिवंगत सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को दफनाने की तैयारी कर रहा था। देश के धार्मिक नेतृत्व ने सीधे तौर पर किसी को दोषी नहीं ठहराया है, हालांकि एक सांसद ने संयुक्त अरब अमीरात को ईरान के खिलाफ अमेरिकी अभियान को कथित तौर पर समर्थन देने के बारे में चेतावनी दी।

ईरान ने गुरुवार को हुए हमलों का जवाब मिडिल ईस्ट में बड़े पैमाने पर हमले करके दिया, जिसमें बहरीन, जॉर्डन, कुवैत और कतर को निशाना बनाया गया। खबर है कि कुवैत में एक व्यक्ति घायल हो गया, जब एयर डिफेंस सिस्टम ने इलाके में आ रहे हमलों को निशाना बनाया।

बांग्लादेश ने दिखाया गलत नक्शा तो भड़का भारत, जम्मू-कश्मीर पर ढाका को अच्छे से सुनाया

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में एक कार्यक्रम के दौरान भारत का नक्शा गलत तरीके से दिखाया गया। इस पर भारत ने आपत्ति जताई। ढाका में भारतीय उच्चायोग की राजनयिक ने स्पष्ट कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है। ढाका में BIISS नामक संस्थान में एक सेमिनार आयोजित हुआ। इस सेमिनार का विषय था, "विश्वास बहाल करना और क्षेत्रीय एकता को नया रूप देना: SAARC को फिर से जीवित करने के रास्ते"। इस कार्यक्रम में भारत में बांग्लादेश के पूर्व उच्चायुक्त अहमद तारिक करीम ने प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि के रूप में बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शमा ओबेद भी मौजूद थीं।

जब पूजा झा ने देखा कि नक्शे में जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा दिखाया गया है, तो उन्होंने प्रेजेंटेशन के बीच में ही टोकते हुए कहा कि ये तथ्यात्मक रूप से गलत है। सेकंड सेक्रेटरी ने कहा, "यहां दिखाया गया भारत का नक्शा गलत है। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और मुझे लगता है कि यहां दिखाया गया नक्शा सही नहीं है।"

आपत्ति जताए जाने के बाद, राजदूत करीम ने स्पष्ट करने की कोशिश की कि नक्शे का इस्तेमाल केवल सांकेतिक उद्देश्यों के लिए किया गया था और ये वास्तविक सीमाओं के बारे में नहीं है। पूजा झा ने जवाब दिया, 'मैं समझती हूं सर, लेकिन जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और यहां इसे गलत तरीके से दिखाया गया है। इसलिए मैं बस इस बात की ओर ध्यान दिलाना चाहती थी।"

ये पूछे जाने पर कि क्या राजनयिक भारत से हैं, झा ने अपना पूरा परिचय दिया। इसके बाद राजदूत करीम उनकी बात से सहमत दिखे। उन्होंने कहा, "बात नोट कर ली गई है," और अपना प्रेजेंटेशन जारी रखा।

बांग्लादेशी मंत्री ने गहरे क्षेत्रीय सहयोग की वकालत की

सेमिनार में बोलते हुए बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शमा ओबेद ने दक्षिण एशिया में गहरे क्षेत्रीय सहयोग के महत्व पर जोर दिया और क्षमता व प्रदर्शन के बीच के अंतर को पाटने का आग्रह किया। उन्होंने संगठन को फिर से मजबूत करने के लिए जरूरी कदमों का जिक्र किया और कहा, "संगठन को बेहतर ढंग से काम करने की क्षमता, ज्यादा आर्थिक मजबूती, ज्यादा असरदार और खास तरीकों और काम को आगे बढ़ाने के व्यावहारिक कल्चर की जरूरत है।"

हमलों के बाद फिर एक्टिव हुआ ईरान! परमाणु और मिसाइल ठिकानों पर दिखी हलचल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और इजराइल के हालिया हमलों के बाद ईरान अपने कुछ परमाणु और मिसाइल ठिकानों की मरम्मत या दोबारा निर्माण में जुटा हो सकता है। 10 जुलाई को आई एक रिपोर्ट में सैटेलाइट तस्वीरों के आधार पर यह दावा किया गया है। इन तस्वीरों का एनालिसिल जियोस्पेशियल इंटेलिजेंस कंपनी वैंटर ने किया है। CNN की जांच के मुताबिक, तेहरान के दक्षिण-पूर्व में स्थित परचिन मिलिट्री कॉम्पलेक्स के अंदर मौजूद तालेघान-2 सेंटर पर मरम्मत का काम होता दिखाई दे रहा है।

एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस सेंटर में ऐसे विस्फोटकों पर काम होता है, जिनका इस्तेमाल परमाणु हथियार बनाने में किया जा सकता है। 22 जून और 7 जुलाई को ली गई सैटेलाइट तस्वीरों में हमलों से बने गड्ढों (क्रेटर) के आसपास मशीनें और दूसरी गतिविधियां दिखाई दी हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, क्षतिग्रस्त इमारतों की मरम्मत और दोबारा निर्माण की कोशिशें चल रही हैं।

इस्फहान के पास स्थित पिकएक्स माउंटेन को संदिग्ध अंडग्राउंड न्यूक्लियर फैसिलिटी माना जाता है। 21 जून की सैटेलाइट तस्वीरों में सुरंगों के अंदर और बाहर वाहनों की आवाजाही देखी गई। CNN के मुताबिक, यह गतिविधि उस समय हुई, जब ईरान और अमेरिका के बीच हुआ समझौता (MoU) अभी लागू था। हालांकि, इन सैटेलाइट तस्वीरों के सामने आने के बाद भी न तो ईरान सरकार और न ही किसी स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय परमाणु निरीक्षण एजेंसी ने यह पुष्टि की है कि इन जगहों पर वास्तव में क्या काम हो रहा है।

होर्मुज को खुला घोषित करे ईरान: US

इधर, अमेरिकी मीडिया एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ने ईरान को शनिवार तक का समय दिया है। अमेरिका चाहता है कि ईरान सार्वजनिक रूप से यह घोषणा करे कि होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह खुला रहेगा और व्यापारिक जहाजों पर कोई हमला नहीं किया जाएगा। यह संदेश सीधे ईरान और क्षेत्रीय मध्यस्थों के जरिए भी भेजा गया है।

दावा- ईरान ने अपनी गलती मानी

वहीं, CBS न्यूज की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरानी अधिकारियों ने ट्रंप प्रशासन के सलाहकारों से निजी बातचीत में माना कि होर्मुज में व्यापारिक जहाजों पर हमला करना गलती थी। उन्होंने कहा कि यह हमला कट्टरपंथी गुट के कुछ भटके हुए लोगों ने किया, जो बातचीत को पटरी से उतारना चाहते थे। अधिकारियों के मुताबिक, ईरान ने अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखने की इच्छा भी जताई है।

अमेरिका का कहना है कि होर्मुज में जहाजों पर हमला युद्धविराम का उल्लंघन था। वॉशिंगटन चाहता है कि शनिवार को ओमान में होने वाली बातचीत के बाद ईरान सार्वजनिक रूप से यह भरोसा दे कि होर्मुज स्ट्रेट पहले की तरह खुला रहेगा और अंतरराष्ट्रीय जहाजों की आवाजाही बिना किसी रुकावट के जारी रहेगी।

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने विजेताओं को बाइक-स्कूटी देकर किया सम्मानित

नई दिल्ली। इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन (आईएबीएफ) द्वारा आयोजित पांच दिवसीय प्रो बॉक्सिंग लीग (PBL) का भव्य ग्रैंड फिनाले शुक्रवार देर रात तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में उत्साह और खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। पांच दिनों तक चले इस ऐतिहासिक आयोजन में देशभर के शीर्ष मुक्केबाजों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया और हजारों दर्शकों ने रोमांचक मुकाबलों का लुत्फ उठाया। समापन समारोह का शुभारंभ भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद श्री अरुण सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रो बॉक्सिंग लीग जैसे आयोजन से खिलाड़ियों को न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिलेगा। आईएबीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। दीप प्रज्वलन में असम के कैबिनेट मंत्री अशोक सिंघल, अंतरराष्ट्रीय रामलीला के चेयरमैन वेदप्रकाश टंडन, पूर्व महापौर जयप्रकाश, नैमिषारण्य तीर्थ के पं. वेदव्यास, आंध्र प्रदेश बॉक्सिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष निशांत वर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। फाइनल के दिन सभी मुकाबले कांटे की टक्कर वाले रहे। खिलाड़ियों ने तकनीक, फुर्ती और खेल भावना से दर्शकों का दिल जीत लिया। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग भी समारोह में पहुंचे और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। तालकटोरा स्टेडियम खचाखच भरा रहा। स्कूल-कॉलेज के छात्रों, परिवारों और खेल प्रेमियों की मौजूदगी से माहौल जश्न जैसा बन गया। विजेताओं के नाम की घोषणा पर तालियों और संगीत की गूंज से स्टेडियम गूंज उठा। समापन समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री बृजेश पाठक ने विजेताओं को मेडल, ट्रॉफी और विशेष पुरस्कार प्रदान किए। पुरुष वर्ग के सभी स्वर्ण पदक विजेताओं को होंडा मोटरसाइकिल और महिला वर्ग की स्वर्ण पदक विजेताओं को स्कूटी भेंट की गई। उन्होंने कहा कि सरकार खेल और खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, सांसद भाऊसाहेब वाकचौरे, वरिष्ठ आयकर अधिकारी कुमार ऋषिकेश सहित कई विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। सभी अतिथियों को अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। साथ ही आईएबीएफ पदाधिकारियों, अर्जुन अवार्डी खिलाड़ियों और तकनीकी अधिकारियों का भी सम्मान किया गया। विजेताओं की सूचीः- 53.525 किग्रा बैंटमवेट पुरुषः स्वर्ण - देवेन्द्र सिंह सोइनकी, रजत - हनी ओल्ह्यान 69.85 किग्रा सुपर वेल्टरवेट महिलाः स्वर्ण - कोमल प्रीत कौर, रजत - संजना देवी 61.235 किग्रा लाइटवेट पुरुषः स्वर्ण - युवराज, रजत - सूरज प्रताप सिंह 61.235 किग्रा लाइटवेट महिलाः स्वर्ण - शिवानी, रजत - रानी देवी 72.574 किग्रा मिडिलवेट पुरुषः स्वर्ण - अंकित कुमार, रजत - आदित्य राज 79.378 किग्रा लाइट हेवीवेट पुरुषः स्वर्ण - रॉबिन सॉगवान, रजत - पर्व 53.525 किग्रा बैंटमवेट महिलाः स्वर्ण - आरज़ू, रजत - आरती 90.718 किग्रा क्रूज़रवेट पुरुषः स्वर्ण - साहिल, रजत - बिक्रमजीत सिंह सेमीफाइनल तक पहुंचने वाले खिलाड़ियों को कांस्य पदक से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. राकेश मिश्र ने सभी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि प्रो बॉक्सिंग लीग भारतीय मुक्केबाजी के लिए मील का पत्थर साबित होगी और युवाओं को बड़ा मंच देगी। राष्ट्रगान के साथ समापन हुआ।

पार्टी का फैसला सर्वोपरि...नरोत्तम मिश्रा को टिकट नहीं मिलने पर बोले कैलाश विजयवर्गीय, कहा- सोच-समझकर लिया गया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। बीजेपी ने मध्य प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री और बीजेपी के कद्दावर नेता नरोत्तम मिश्रा को दरकिनार करते हुए दतिया विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए आशुतोष तिवारी को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। सत्तारूढ़ पार्टी के इस फैसले के खिलाफ मिश्रा के समर्थक खासे नाराज हैं। वो सड़कों पर उतर कर लगातार विरोध प्रदर्शन कर उम्मीदवार बदलने की मांग कर रहे हैं । इस बीच मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का बयान सामने आया है। उनका कहना है कि पार्टी के अंदर डेमोक्रेसी है और कार्यकर्ता अपनी अभिव्यक्ति व्यक्त करता है। उन्होंने साफ कहा कि पार्टी में टिकट की घोषणा हो जाने के बाद उसे बदलने की परंपरा नहीं है,

मीडिया से बात करते हुए कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि समर्थकों और कार्यकर्ताओं से बात की जाएगी, उन्हें समझाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए कोई बड़ी बात नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव में आशुतोष तिवारी भारी मतों से जीतेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी के लिए कार्यकर्ताओं का नाराज होना कोई नई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि कहा कि पार्टी इस प्रकार के फैसले सोच समझकर ही लेती हैं। उन्होंने कहा कि नरोत्तम मिश्रा पार्टी के बहुत अच्छे कार्यकर्ता और सीनियर कार्यकर्ता हैं। वो पार्टी के हित में काम करेंगे। मंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश में 230 विधानसभा सीटें हैं और लगभग 2,000 लोग टिकट पाने की इच्छा रखते हैं, लेकिन हर किसी को टिकट नहीं मिल पाता। उन्होंने कहा कि पार्टी का निर्णय सर्वोपरि है, पार्टी ने जो निर्णय लिया है सभी लोग उसका पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी हर फैसला सोच समझकर करती है। उन्होंने कहा कि पार्टी के भीतर लोकतंत्र है और बीजपी कार्यकर्ता बेहद अनुशासित हैं। उन्होंने कहा कि एक बार जब हम उनसे बैठकर बात करेंगे, तो सभी एकजुट हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि मैं अभी से भविष्यवाणी कर सकता हूं कि आशुतोष तिवारी भारी अंतर से जीतेंगे।

'नरोत्तम मिश्रा पार्टी के फैसले का सम्मान करेंगे'

नरोत्तम मिश्रा से बात होने के सवाल पर कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि उन्होंने नरोत्तम मिश्रा को दो-तीन बार फोन किया था लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी। उन्होंने कहा कि मिश्रा पार्टी के बहुत पुराने कार्यकर्ता हैं, वो पार्टी के इस निर्णय का सम्मान करेंगे। उन्होंने ये भी कहा क एक बार टिकट की घोषणा होने के बाद उसे बदला नहीं जाता। मंत्री ने कहा कि आशुतोष तिवारी हमारे अच्छे कार्यकर्ता हैं संगठन मंत्री रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि पार्टी टिकट बदलेगी। उन्होंने साफ कहा कि पार्टी में यह परंपरा नहीं रही कि वो टिकट बदले।

डीप वी-नेक आउटफिट में रकुल प्रीत सिंह ने ढाया कहर, तस्वीरों ने जीता फैंस का दिल

बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह एक्टिंग के साथ-साथ अपने लाजवाब फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। वेस्टर्न आउटफिट हो या ट्रेडिशनल एथनिक वियर, रकुल हर लुक को बेहद ग्रेस और कॉन्फिडेंस के साथ कैरी करती हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने नए फोटोशूट की कुछ बेहद हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं, जिसने इंटरनेट पर आते ही तहलका मचा दिया है।

इस नए अवतार में रकुल का बोल्ड और सिजलिंग लुक देखने को मिल रहा है, जिसे देखकर फैंस अपनी नजरें नहीं हटा पा रहे हैं। तस्वीरों में रकुल मिरर-वर्क को-ऑर्ड सेट पहने नजर आ रही हैं।

रकुल ने चारकोल/डार्क ग्रे शेड का एक बेहद खूबसूरत को-ऑर्ड सेट पहना है। इसके ऊपरी हिस्से में एक प्लंजिंग डीप वी-नेकलाइन वाला स्लीवलेस ब्लाउज है। इस ब्लाउज पर मिरर वर्क और क्रिस्टल्स का बेहद बारीक और चमकीला काम किया गया है।

बॉटम के लिए रकुल ने इसी मैचिंग फैब्रिक का बॉडी-हगिंग और नीचे से फ्लेयर्ड स्कर्ट-पैंट कैरी किया है। यह आउटफिट उनकी परफेक्टली टोंड मिड्रिफ और कर्वी फिगर को बेहद खूबसूरती से फ्लॉन्ट कर रहा है।

अपने इस बोल्ड लुक में एलीगेंस जोड़ने के लिए उन्होंने मैचिंग लैवेंडर-ग्रे टोन का दुपट्टा कैरी किया है। इस दुपट्टे के किनारों पर लगी शिमरी फ्रिंज उनके हर मूवमेंट में एक ड्रामेटिक और रॉयल टच जोड़ रही है।

तस्वीरों में रकुल एक से बढ़कर एक अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। कभी लकड़ी के भारी दरवाजे का सहारा लेकर कैमरे की तरफ देख रही हैं, तो कभी साइड-प्रोफाइल पोज देते हुए अपनी परफेक्ट बॉडी लाइन को फ्लॉन्ट कर रही हैं।

बदहाल स्कूल, बेफिक्र हेडमास्टर! आदर्श बाल विद्यालय में दिखेगा के के मेनन का नया अवतार, पहली झलक संग तय हुई रिलीज डेट

ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने अपनी नई ऑरिजिनल कॉमेडी-ड्रामा सीरीज आदर्श बाल विद्यालय के वर्ल्डवाइड प्रीमियर की घोषणा कर दी है। इसका निर्देशन हिमांक गौर ने किया है, जबकि बिस्वपति सरकार और समीर सक्सेना ने पोशम पा पिक्चर्स के बैनर तले इसे एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूस किया है। शो को लिखने में बिस्वपति सरकार के साथ अक्षय अस्थाना, नूपुर पाई, तत्सत पांडे और मेघना श्रीवास्तव जैसी लेखकों की टीम ने योगदान दिया है।

मुख्य भूमिका में दिग्गज अभिनेता के के मेनन नजर आएंगे। उनके साथ अर्चना पूरन सिंह, नवीन कस्तूरिया, प्रसन्ना बिष्ट, देवेन भोजानी और अभिमन्यु सिंह जैसे मंझे हुए कलाकार अहम किरदारों में दिखेंगे। यह सीरीज दुनिया भर के 240 से अधिक देशों में हिंदी भाषा और अंग्रेजी सबटाइटल के साथ स्ट्रीम की जाएगी। सात एपिसोड्स वाली इस बेहद दिलचस्प सीरीज का प्रसारण आगामी 24 जुलाई से होने जा रहा है।

इस सीरीज की कहानी एक ऐसे सरकारी स्कूल के इर्द-गिर्द बुनी गई है जो अपनी बदहाली के आखिरी छोर पर है। कहानी के केंद्र में हैं ज्ञानेश्वर त्रिपाठी (के के मेनन), जो इस स्कूल के बेहद बेफिक्र मिजाज वाले हेडमास्टर हैं। ज्ञानेश्वर का एक बड़ा सपना है, कैंब्रिज में होने वाले एक प्रतिष्ठित सरकारी ट्रेनिंग प्रोग्राम में शामिल होना। इसी चाहत के चलते वे अनजाने में स्कूल की सूरत बदलने के एक अनोखे और चुनौतीपूर्ण सफर पर निकल पड़ते हैं। शहर के सबसे पिछड़े और अव्यवस्थित स्कूल को सुधारने के लिए वे अजीबोगरीब शिक्षकों की एक टीम बनाते हैं। इस सफर में उन्हें संसाधनों की भारी किल्लत, शरारती बच्चे, लापरवाह पेरेंट्स और प्रशासनिक अड़चनों का सामना करना पड़ता है। यह शो हंसी-मजाक के साथ-साथ भावनाओं का एक खूबसूरत ताना-बाना पेश करता है।

प्राइम वीडियो इंडिया के ओरिजिनल्स हेड, निखिल मधोक ने सीरीज़ को लेकर उत्साह जताते हुए कहा कि आदर्श बाल विद्यालय हमारे एजुकेशन सिस्टम की कमियों को बेहद हल्के-फुल्के और मजेदार अंदाज में सामने लाती है। यह कहानी दिल को छूने वाली और हर आम इंसान को अपनी सी लगने वाली है। वहीं शो के को-क्रिएटर बिस्वपति सरकार और समीर सक्सेना ने बताया कि इस शो की शुरुआत एक छोटे से विचार से हुई थी। वे एक ऐसे स्कूल की कहानी दिखाना चाहते थे जो हर मोर्चे पर नाकाम दिख रहा है, लेकिन फिर भी वहां के शिक्षकों और छात्रों का जज्बा उसे जिंदा रखे हुए है। उन्होंने मुख्य किरदार की तारीफ करते हुए कहा कि ज्ञानेश्वर के रूप में के के मेनन ने अपने बेमिसाल अभिनय से जान फूंक दी है, जो दर्शकों को बेहद पसंद आएगा।

बारिश और व्हाइट कपड़ों की दीवानी हैं मन्नत फेम आयशा सिंह, बोलीं- शूट के बाद भीगने चली गई

टीवी एक्ट्रेस आयशा सिंह इन दिनों अपने सीरियल मन्नतः हर खुशी पाने की को लेकर सुर्खियों में हैं। शो की कहानी, उनका किरदार और अभिनय दर्शकों को बहुत पसंद आता हैं। इसी बीच आयशा ने खुलासा किया कि उन्हें बारिश का मौसम बहुत पसंद हैं। इतना ही नहीं, उन्हें जब भी मौका मिलता है, वो बारिश में भीगने चली जाती हैं।

आयशा ने कहा कि शूट खत्म होते ही मैं बारिश में चली गई। मैंने टीम से पूछा कि क्या मैं भीग सकती हूं? उन्होंने कहा हां। फिर मैंने एक सेकंड भी वेस्ट नहीं किया। बारिश की बूंदें एक अलग सुकून देती है। उनके इस बयान से लगता है कि वो इस मौसम को खुलकर जीती है और अपने दिन को एंजॉय करती हैं।

जहां बारिश में कई सेलेब्स को व्हाइट कलर के कपड़े पहनना पसंद नहीं हैं क्योंकि भीगने के बाद वो ट्रांसपेरेंट हो जाते है। वहीं आयशा के ख्याल इससे बिल्कुल अलग हैं और

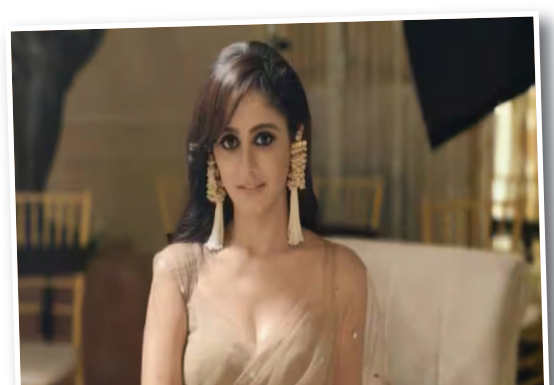

उन्हें इस कलर से कोई परेशानी नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे व्हाइट आउटफिट बहुत पसंद हैं। व्हाइट पे गो क्रेजी। बारिश के साथ व्हाइट कपड़े का कॉम्बिनेशन कैमरे पर सबसे खूबसूरत लगता है। हालांकि आयशा को शॉर्ट्स, टी-शर्ट और फ्लिप-फ्लॉप वाला कैजुअल स्टाइल भी बहुत पसंद हैं।

वहीं बात करें सीरियल की, तो इसकी शुरुआत पिछले साल जनवरी में हुई, जो कलर्स टीवी पर प्रसारित होता है। शो की कहानी मन्नत नाम की लड़की की है, जिसका सपना शेफ बनने का है। हालांकि उसकी जिंदगी में कई ऐसे मोड़ आते है, जिससे उसकी जिंदगी बदलती हुई नजर आती है। इसके बावजूद वो हार नहीं मानती और अपने परिवार के लिए खड़ी नजर आती हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित । शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com